माघ शुक्ल - 12 | संवत 2080 | वर्ष - 19 | अंक - 207 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » बुधवार » 21-02-2024 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस की राजनीति हिंदुओं के लिए नहीं : हिमंत विश्व शर्मा का दावा

6 राजनीति के शोर में न दब जाए, संदेशखाली की आवाज!

7 30 साल के बाद मैंने 'समय' कमाया है : मनीषा कोइराला

फर्स्ट टेक

जेआईसीए ने चेन्नई सड़क परियोजना के लिए 2,809 करोड़ रुपए का ऋण दिया

चेन्नई/भाषा। जापान अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआईसीए) ने मंगलवार को कहा कि उसने चेन्नई पेरिफेरल रिंग रोड परियोजना के दूसरे चरण के लिए लगभग 2,809 करोड़ रुपये के कर्ज को मंजूरी दी है। जेआईसीए ने एक बयान में कहा कि जापान सरकार और भारत सरकार के बीच हुए एक समझौते के तहत चेन्नई पेरिफेरल रिंग रोड को चेन्नई-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे के लिए व्यापक एकीकृत मास्टर प्लान (2015) के तहत प्राथमिकता वाली परियोजनाओं में शामिल किया गया है। परियोजना का मकसद चेन्नई महानगरीय क्षेत्र में तेजी से बढ़ती यातायात मांग को पूरा करना, भीड़भाड़ को कम करना, चेन्नई और एन्नोर बंदरगाहों से आवाजाही में लगने वाले समय को कम करना है।

तिरुपति को कचरा मुक्त नगर के मामले में पांच स्टार रेटिंग

नई दिल्ली/एजेन्सी। तिरुमला देवस्थानम की तलहटी में बसा तिरुपिति नगर को पांच सितारा कचरा मुक्त नगर का दर्जा दिया गया है। तिरुपति नगर निगम ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 रैंकिंग में एक लाख से अधिक आबादी वाले सबसे स्वच्छ शहरों में आठवां स्थान प्राप्त किया है। केंद्रीय आवास एवं नगरीय मामलों के मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के सबसे बड़े शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) तिरुपति की ऊंची रैंकिंग स्वच्छता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है।

यूक्रेन संघर्ष में रूस ने पश्चिम को हराया : मादुरो

मॉस्को/एजेन्सी। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने कहा कि यूक्रेन के साथ युद्ध में रूस पश्चिम को हरा रहा है और आर्थिक रूप से मजबूत हो गया है। राष्ट्रपति ने सोमवार को 'विद मादुरो' टीवी कार्यक्रम में कहा, आज, रूस आर्थिक रूप से मजबूत हो गया है; रूस युद्ध के मैदान में जीत रहा है, पश्चिम को युद्ध के मैदान में हरा रहा है।

21-02-2024 सूर्यास्त 6:26 बजे | 22-02-2024 सूर्योदय 6:39 बजे

BSE	NSE
73,057.40	22,196.95
(+349.24)	(+74.70)

सोना	चांदी
6,487 रु.	72,342 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दुर्गति

ईडी सीबीआई करती,
उनके चित को इतना आहत।
क्यों नहीं लग रहा है रुचिकर,
जज को उनका कोई भी मत।
वे मांग रहे हैं याचक बन,
शायद मिल जाए कुछ राहत।
सोचा ना था इक दिन होगी,
यूं खुले आम ऐसी दुर्गत।।

चंडीगढ़ महापौर चुनाव : भाजपा को झटका,

आप-कांग्रेस उम्मीदवार कुलदीप को न्यायालय ने घोषित किया महापौर

■ शीर्ष अदालत ने पाया कि पीठासीन अधिकारी ने याचिकाकर्ता 'आप' उम्मीदवार कुलदीप कुमार के पक्ष में डाले गए आठ मतों को जानबूझकर विकृत कर दिया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक फैसले में चंडीगढ़ महापौर के पद पर चुनाव अधिकारी के निर्णय को अवैध घोषित करते हुए रद्द कर दिया और आम आदमी पार्टी-कांग्रेस पार्टी गठबंधन उम्मीदवार कुलदीप कुमार को विजेता घोषित किया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्र की पीठ ने महापौर के पद पर अपेक्षाकृत कम पाषर्द संख्या वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार मनोज कुमार सोनकर को 30 जनवरी के चुनाव में गैरकानूनी तरीके से विजयी घोषित करने संबंधी पीठसीन अधिकारी अनिल मसीह के फैसले को अवैध घोषित करते हुए पलट दिया। अदालत ने याचिकाकर्ता आम आदमी पार्टी-कांग्रेस पार्टी गठबंधन उम्मीदवार कुलदीप कुमार को विजेता घोषित कर दिया।

पीठ ने अपने विस्तृत फैसले में कहा कि उसने चुनाव परिणामों को रद्द करने के लिए पूर्ण न्याय करने के वास्ते संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी पूर्ण शक्ति का इस्तेमाल करते हुए यह निर्णय सुनाया। शीर्ष अदालत ने पाया कि पीठासीन अधिकारी ने याचिकाकर्ता 'आप' उम्मीदवार कुलदीप कुमार के पक्ष में डाले गए आठ मतों को जानबूझकर विकृत कर दिया था। पीठ ने वोटों की गिनती से संबंधित वीडियो देखने और विकृत मतपत्रों की जांच करने के बाद पीठासीन अधिकारी मसीह को अदालत की अवमानना के लिए 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया।

लोगों का प्यार हमारे लिए सबसे बड़ा आशीर्वाद : प्रधानमंत्री

32,000 करोड़ से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के साथ उनका संबंध 40 साल से भी अधिक पुराना है और प्रतिकूल मौसम की स्थिति के बावजूद दूर-दराज के स्थानों से बड़ी संख्या में लोगों का उनकी रैली में आना उनके प्रति प्रेम का प्रमाण है। उन्होंने यहां मौलाना आज़ाद स्टेडियम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, लोगों का प्यार हमारे लिए सबसे बड़ा आशीर्वाद है।

मोदी ने कहा, जम्मू और कश्मीर के साथ मेरा संबंध 40 साल से अधिक पुराना है क्योंकि मैंने एक कार्यकर्ता के रूप में यहां बहुत सारे कार्यक्रम और दौरे किए हैं। बारिश और ठंड की स्थिति के बावजूद भारी भीड़ एवं उत्साह तथा हर किसी का ध्यान से सुनना लोगों के प्यार को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत को समर्पित कार्यक्रम का जम्मू-कश्मीर के 285 ब्लॉक और देश के विभिन्न स्थानों पर सीधा प्रसारण किया जा रहा है, जहां लाखों लोग इसे देख रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, इतना बड़ा कार्यक्रम और वह भी जम्मू-कश्मीर में, जहां प्रकृति हमें हर पल चुनौती देती है। इतनी धूमधाम से यहां आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए जम्मू-कश्मीर के लोग वास्तव में बधाई के पात्र हैं। उन्होंने पद्दारी जनजाति, पहाड़ी जातीय समूह, गड्डा ब्राह्मण और कोली समुदायों को अनुसूचित जनजातियों की सूची में शामिल करने, अनुसूचित जनजातियों के लिए विधानसभा में सीट आरक्षण, स्थानीय निकायों में अन्य पिछड़ा वर्गों के आरक्षण के लिए बधाई दी।

मोदी ने कहा, मोदी की गारंटी का मतलब गारंटी का पूरा होना है। उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' विकसित जम्मू-कश्मीर की आधारशिला है। उन्होंने यह भी कहा कि 'नया भारत' छात्रों को आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिए अधिक खर्च कर रहा है और पिछले 10 वर्षों में शिक्षा एवं कौशल विकास उनकी सरकार का केंद्रबिंदु रहा है।

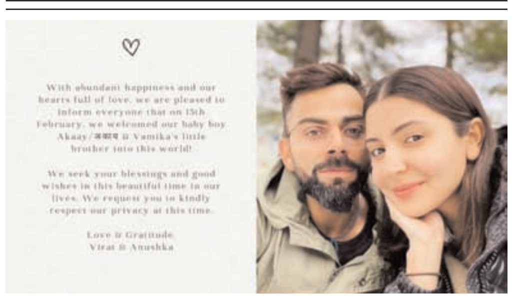

कोहली और अनुष्का को पुत्ररत्न की प्राप्ति

नई दिल्ली/भाषा। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने मंगलवार को घोषणा की कि उन्हें और उनकी अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा को पुत्ररत्न की प्राप्ति हुई है। उनकी पत्नी ने 15 फरवरी को पुत्र को जन्म दिया। कोहली और अनुष्का पहले से ही तीन साल की बेटी वामिका के माता-पिता हैं।

कोहली ने इंस्टाग्राम पर की गई पोस्ट में जानकारी दी, ''अत्यधिक खुशी और प्यार के साथ हमें सभी को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 15 फरवरी को हमने इस दुनिया में अपने बेटे और वामिका के छोटे भाई अकाय का स्वागत किया।'' उन्होंने कहा, ''अपनी जिंदगी के इन खूबसूरत पलों में हम आपका आशीर्वाद और शुभकामनाएं चाहते हैं। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि इस समय हमारी निजता का सम्मान करें।'' कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ वर्तमान टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल रहे हैं। भारत पांच मैच की श्रृंखला में अभी 2-1 से आगे है।

एमएसपी पर कानून लाने के लिए दिन भर का संसद सत्र बुलाने की किसानों ने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने मंगलवार को कहा कि केंद्र को फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून लाने के वास्ते एक दिन का संसद सत्र बुलाना चाहिए। उन्होंने केंद्र से कृषि ऋण माफी समेत किसानों की अन्य प्रमुख मांगों को स्वीकार करने को भी कहा।

उनका यह बयान 'दिल्ली चलो' मार्च में भाग लेने वाले किसान नेताओं द्वारा पांच साल के लिए एमएसपी पर दालों, मक्का और कपास की खरीद के केंद्र के प्रस्ताव को खारिज किए जाने के एक दिन बाद आया है। किसान नेताओं ने कहा है कि केंद्र का प्रस्ताव किसानों के पक्ष में नहीं है। रविवार को किसान नेताओं के साथ चौथे दौर की बातचीत में तीन केंद्रीय मंत्रियों की समिति ने प्रस्ताव दिया था कि किसानों के साथ समझौता करने के बाद सरकारी एजेंसियां पांच साल तक दालें, मक्का और कपास एमएसपी पर खरीदेंगी।

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा 'दिल्ली चलो' मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। मंगलवार को पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू बॉर्डर पर पत्रकारों से बातचीत में किसान मजदूर मोर्चा का प्रतिनिधित्व करने वाले पंधेर ने कहा, हमारी मांग है कि एमएसपी की गारंटी का कानून लाया जाए। अगर प्रधानमंत्री के पास इच्छाशक्ति होगी तो संसद का एक दिन का सत्र बुलाया जा सकता है। कोई भी विपक्षी दल इसका विरोध नहीं करेगा।

177 सोशल मीडिया खातों, वेब लिंक अस्थायी रूप से किये गए 'ब्लॉक'

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने किसानों के विरोध प्रदर्शन से जुड़े करीब 177 सोशल मीडिया खातों और वेब लिंक को अस्थायी रूप से 'ब्लॉक' करने का आदेश दिया है।

सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह आदेश इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने गृह मंत्रालय के अनुरोध पर आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) अधिनियम की धारा 69ए के तहत 14 और 19 फरवरी को जारी किए।

दिल्ली कूच कर रहे 50 किसान हिरासत में लिये गये

गुरूग्राम (हरियाणा)/भाषा। हरियाणा सरकार द्वारा खरीदी गई 1800 एकड़ से अधिक कृषिभूमि के मुआवजे को 'अनुचित' बता दिल्ली कूच करने की कोशिश कर रहे कम से कम 50 किसानों को गुरूग्राम पुलिस ने मानेसर में हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को दो बसों से मानेसर पुलिस लाइंस ले जाया गया। किसानों ने आरोप लगाया कि उन्हें मानेसर के पांच गांवों में 1810 एकड़ जमीन का उचित दाम नहीं दिया गया , इसलिए उन्होंने मंगलवार को दिल्ली में जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने का फैसला किया है। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद सोमवार देर शाम को कई किसान नेताओं को नोटिस भेजा लेकिन किसान दक्षिण हरियाणा किसान खाप समिति के बैनर तले मंगलवार सुबह मार्च के लिए इकट्ठा हो गये। एक अधिकारी ने बताया कि इन किसानों को दिल्ली की ओर बढ़ने

पाकिस्तान में नई सरकार के गठन में गतिरोध जारी

पीएमएल-एन, पीपीपी के बीच सत्ता के लिए नहीं बनी सहमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान में नई गठबंधन सरकार के गठन में मंगलवार को कोई प्रगति नहीं हुई क्योंकि पीएमएल-एन और पीपीपी के शीर्ष नेताओं के बीच नवीनतम दौर की बातचीत में सत्ता-साझा करने के मुद्दे पर सहमति नहीं बन पायी। यहां पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता सीनेटर इशाक डार के आवास पर सोमवार को आयोजित पांचवें दौर की बैठक में दोनों दलों के प्रमुख नेताओं की भागीदारी देखी गई, जिन्होंने नकदी संकट से जूझ रहे देश के हित में एकसाथ काम करने का संकल्प जताया है।

'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने मंगलवार को बताया कि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ नेता मुराद अली शाह, कमर जमां कैरा, नदीम अफजल चान और अन्य शामिल थे।

सोमवार को तीन घंटे के विचार-विमर्श के बाद, बातचीत में रुकावट आ गई। पीएमएल-एन और पीपीपी दोनों सोमवार रात 10 बजे फिर से मिलने पर सहमत हुए। हालांकि, बैठक नहीं हुई। आखिरकार, रात 11 बजे पीएमएल-एन ने अपनी बैठक समाप्त की और घोषणा की कि पीपीपी के साथ चर्चा बुधवार को फिर से शुरू होगी। पहले दौर की बैठक के बाद पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में पीएमएल-एन नेता आजम नजीर तरार ने चल रही चर्चा में सकारात्मक रुख होना बताया।

'जियो न्यूज' ने तरार के हवाले से कहा, पीपीपी को कैबिनेट में शामिल करने के मामले पर कुछ चीजें पहले ही तय हो चुकी हैं। पीपीपी पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पीएमएल-एन को समर्थन देने के लिए कथित तौर पर राष्ट्रपति, सीनेट अध्यक्ष और नेशनल असेंबली अध्यक्ष जैसे प्रमुख संवैधानिक पदों की मांग कर रही है।

आईपीएल को 22 मार्च से शुरू करने की योजना : धूमल

नई दिल्ली/भाषा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का आगामी चरण 22 मार्च से शुरू होगा और लोकसभा चुनावों के बावजूद इसका आयोजन पूरी तरह से देश में ही होगा। आईपीएल के अध्यक्ष अरुण धूमल ने 'पीटीआई-भाषा' को यह जानकारी दी। आम चुनाव के अप्रैल और मई में होने की संभावना है और यही कारण है कि आईपीएल के 17वें सत्र का कार्यक्रम अभी तक जारी नहीं किया गया है। धूमल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि शुरुआत में इस लीग के केवल पहले 15 दिनों के कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। बाकी मैचों के कार्यक्रम की घोषणा आम चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद होगी। लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा अगले महीने की शुरुआत में होने की संभावना है। धूमल ने कहा, हम टूर्नामेंट को 22 मार्च से शुरू करने की योजना बना रहे हैं। हम सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हम सबसे पहले शुरुआती कार्यक्रम जारी करेंगे। पूरा टूर्नामेंट भारत में आयोजित किया जाएगा।

रूस ने भारत के हितों को कभी नुकसान नहीं पहुंचाया : जयशंकर

हम रूस-यूक्रेन युद्ध में मध्यस्थता पर विचार के लिए तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि पश्चिम एशिया में भारत के ऊर्जा आपूर्तिकर्ताओं ने यूक्रेन युद्ध के बाद अधिक कीमत देने वाले यूरोप को पेट्रोलियम उत्पाद उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी और नई दिल्ली के पास रूसी कच्चे तेल की खरीद के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा।

जयशंकर ने जर्मन आर्थिक समाचार पत्र 'हैंडेल्सब्लैट' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि यदि भारत से संपर्क किया जाता है तो वह रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभाने को तैयार है, लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि नई दिल्ली का यह मानना नहीं है कि उसे इस दिशा में कुछ भी अपने आप शुरू करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिस तरह भारत यूरोप से यह उम्मीद नहीं करता कि वह चीन के बारे में नई दिल्ली जैसा दृष्टिकोण रखेगा, उसी तरह यूरोप को भी यह समझना चाहिए कि भारत का रूस के बारे में नजरिया यूरोपीय दृष्टिकोण के समान नहीं हो सकता।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत का रूस के साथ ''स्थिर'' और ''बहुत मैत्रीपूर्ण'' संबंध रहा है और मॉस्को ने नई दिल्ली के हितों को कभी नुकसान नहीं पहुंचाया। उन्होंने कहा, ''दूसरी ओर, उदाहरण के तौर पर, चीन के साथ हमारे राजनीतिक और सैन्य संबंध बहुत जटिल हैं।''

जयशंकर ने भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद को पूरी तरह उचित ठहराते हुए कहा, ''जब यूक्रेन में लड़ाई शुरू हुई, तो यूरोप ने अपनी ऊर्जा खरीद का एक बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से लेना शुरू कर दिया जो तब तक भारत और अन्य देशों के लिए मुख्य आपूर्तिकर्ता था।'' उन्होंने कहा, ''हमें क्या करना चाहिए था? कई मामलों में, हमारे पश्चिम एशियाई आपूर्तिकर्ताओं ने यूरोप को प्राथमिकता दी क्योंकि यूरोप ने अधिक कीमत दी थी। अब या तो हमारे पास ऊर्जा नहीं होती क्योंकि सब कुछ उनके पास चला जाता या हमें बहुत अधिक भुगतान करना पड़ता।'' उन्होंने कहा, ''हमने एक तरीके से ऊर्जा बाजार को स्थिर किया।'' यूरोप यह कहकर भारत की आलोचना कर रहा है कि रूसी कच्चे तेल की खरीद से यूक्रेन पर आक्रमण को लेकर मॉस्को पर लगाए गए पश्चिमी प्रतिबंधों की प्रभावशीलता को नुकसान पहुंच रहा है।

श्रीनगर में हुई मौसम की दूसरी बर्फबारी, हिमाचल में यातायात बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को कई स्थानों पर मध्यम से भारी बर्फबारी हुई। कश्मीर के श्रीनगर में मंगलवार को सर्दी के मौसम की दूसरी बर्फबारी हुई जबकि घाटी के ऊंचे इलाकों में पिछले 48 घंटों में भारी बर्फबारी दर्ज की गई।

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर में रविवार से भारी बारिश हो रही थी जिसके बाद आज दिन के शुरुआती हिस्से में मध्यम बर्फबारी हुई। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय इलाकों और ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों पर भारी बर्फबारी के कारण चार राष्ट्रीय राजमार्गों सहित कम से कम 228 सड़कें अवरुद्ध हो गईं। श्रीनगर में एक अधिकारी ने बताया कि गुलमर्ग, सोनमर्ग, शोपियां, गुरेज, माछिल और घाटी के अन्य पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी हुई है। बारिश के साथ तेज हवाएं भी चल रही हैं जिसके परिणामस्वरूप घाटी में कई घरों को नुकसान पहुंचा है। तेज हवाओं से टिन की छतें उड़ने के वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुए हैं। अधिकारी ने कहा कि बारामूला जिले में स्कीइंग रिसॉर्ट गुलमर्ग में पिछले 48 घंटों में लगभग 2.5 फुट ताजा बर्फबारी हुई है। इसी स्थान पर बुधवार से चौथे खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों की मेजबानी होनी है। साधना टॉप में पांच फुट तक बर्फ जमा हो गई जबकि राजदान टॉप में भी पांच, तुलैल-गुरेज में चार और सोनमर्ग में 4.5 फुट बर्फ जमा हुई। श्रीनगर में पिछले 24 घंटों में 29 मिलीमीटर बारिश हुई जबकि काजीगुंड में 76.8 मिमी बारिश हुई है।

सरकार समुद्री विकास कोष बनाने पर कर रही है विचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार पोत परिवहन क्षेत्र को कम लागत पर दीर्घकालिक वित्तीय सहायता मुहैया कराने के मकसद से एक समुद्री विकास कोष बनाने पर विचार कर रही है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक कार्यक्रम में बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय में सचिव टी के रामचंद्रन ने कहा कि सरकार पोत परिवहन क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा देने पर भी विचार कर रही है।

रामचंद्रन ने कहा, सरकार कम लागत पर दीर्घकालिक वित्तपोषण में मदद के लिए समुद्री विकास कोष (एमडीएफ) स्थापित करने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि एमडीएफ की स्थापना के दो विकल्प हैं।

पहला, प्रस्तावित विकास वित्त संस्थान के तहत समुद्री क्षेत्र के लिए एक समर्पित खंड बनाना, या फिर बहुपक्षीय/द्विपक्षीय एजेंसी के बहुलांश स्वामित्व वाली कंपनी के रूप में एकल आधार पर एमडीएफ का गठन करना। रामचंद्रन ने कहा कि सरकार 'अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र' (आईएफएससी) से जहाजों के वित्तपोषण या उन्हें किराए पर लेने के लिए आईएफएससी में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी बनाने से संबंधित दिशानिर्देशों को अधिसूचित करने पर भी विचार कर रही है। सरकार पहली और दूसरी श्रेणी के वैकल्पिक निवेश कोषों (एआईएफ) में निवेश करने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) पर लगी बंदिशें हटाने और जहाजों को पट्टे पर देने वाली कंपनियों में निवेश के लिए एआईएफ की एक अलग श्रेणी बनाने को एआईएफ नियमों में संशोधन करने पर भी विचार कर रही है।

रामचंद्रन ने कहा कि सरकार जहाजों को पट्टे पर देने की प्रक्रिया में बीमा कंपनियों पर लगी निवेश पाबंदी हटाने पर भी गौर कर रही है।

इसके साथ ही पोत परिवहन सचिव ने कहा कि बंदरगाह मंत्रालय जहाज निर्माण वित्तीय सहायता नीति को अगले 10 साल के लिए बढ़ाने की योजना बना रहा है।

उन्होंने कहा कि मंत्रालय मुंबई, कोच्चि और चेन्नई में जहाज निर्माण और मरम्मत क्लस्टर के विकास के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि समुद्री गतिविधियों के विस्तार पर केंद्रित 'ब्लू इकनॉमी 2047' पहल के तहत समुद्री क्षेत्र में 75-80 लाख करोड़ रुपए के निवेश की परिकल्पना की गई है।

कुनबी मराठा मसौदा अधिसूचना की पड़ताल जारी, छह लाख आपत्तियां मिलीं : शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानसभा में मंगलवार को कहा कि कुनबी मराठों के विस्तारित रक्त संबंधियों को प्रमाणपत्र देने के लिए पिछले महीने जारी मसौदा अधिसूचना की पड़ताल जारी है क्योंकि इस बाबत छह लाख आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। शिंदे सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में मराठा समुदाय को एक नई श्रेणी के तहत 10 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान करने वाला विधेयक पेश करने के बाद निचले सदन में बोल रहे थे।

महाराष्ट्र राज्य सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा विधेयक 2024 को राज्य विधानमंडल ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया है।

शिंदे ने कहा, राज्य सरकार को मसौदा अधिसूचना पर लोगों से लगभग 6 लाख आपत्तियां मिली हैं। पड़ताल की जा रही है। सरकार पड़ताल के बाद उचित निर्णय लेगी। मसौदा अधिसूचना 26 जनवरी को प्रकाशित हुई थी और आपत्तियां जमा करने की समय सीमा 16 फरवरी को समाप्त हो गई।

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के विरोध प्रदर्शन के बीच सरकार ने एक मसौदा अधिसूचना जारी की थी जिसमें कहा गया था कि यदि किसी मराठा व्यक्ति के पास यह दिखाने के लिए दस्तावेजी सबूत हैं कि वह कृषक कुनबी समुदाय से है, तो उस व्यक्ति के रक्त संबंधियों को भी कुनबी जाति का प्रमाण पत्र मिलेगा। जरांगे अपनी इस मांग पर अड़े हुए हैं कि मराठा समुदाय को ओबीसी समूह के तहत आरक्षण दिया जाए, क्योंकि कुनबी एक पिछड़ा वर्ग है।

शिक्षा, नौकरियों में मराठों को 10 प्रतिशत आरक्षण से संबंधित विधेयक महाराष्ट्र विधानमंडल में पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र विधानमंडल ने शिक्षा एवं सरकारी नौकरियों में मराठा समुदाय को 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाला विधेयक मंगलवार को सर्वसम्मति से पारित कर दिया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मराठा आरक्षण पर विधानमंडल के एक दिवसीय विशेष सत्र के दौरान सदन में महाराष्ट्र राज्य सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़ा विधेयक 2024 पेश किया। विधेयक को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। इसमें कहा गया कि महाराष्ट्र की कुल आबादी में मराठों की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत है। इसमें कहा गया है कि बड़ी संख्या में जातियां और समूह पहले से ही आरक्षित श्रेणी में हैं, जिन्हें कुल मिलाकर लगभग 52 प्रतिशत आरक्षण मिल रहा है। इसमें कहा गया है कि मराठा समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में रखना पूरी तरह से अनुचित होगा।

विधेयक में कहा गया है कि मराठा वर्ग का पिछड़ापन पिछड़े वर्गों और विशेष रूप से ओबीसी से इस अर्थ में भिन्न और अलग है कि यह अपने प्रसार के मामले में अधिक व्यापक है, यह अपनी पैठ में भिन्न है और चरित्र में और अधिक प्रतिगामी है।

विधेयक में यह भी प्रस्ताव किया गया है कि एक बार आरक्षण लागू हो जाने पर 10 साल बाद इसकी समीक्षा की जा सकती है।

राज्यसभा चुनावः महाराष्ट्र से चव्हाण समेत सभी छह उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र से राज्यसभा चुनाव के सभी छह उम्मीदवारों को मंगलवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया जिनमें कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण भी शामिल हैं।

इन छह उम्मीदवारों में चव्हाण समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीन, एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का एक-एक प्रत्याशी शामिल है।

विपक्षी कांग्रेस ने एक उम्मीदवार खड़ा किया था। निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए भाजपा उम्मीदवारों में चव्हाण, पूर्व विधायक मेधा कुलकर्णी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता अजित गोपछडे शामिल हैं। शिवसेना से कांग्रेस के पूर्व सांसद मिलिंद देवरा और अजित पवार नीत राकांपा के प्रफुल्ल पटेल निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

कांग्रेस ने दलित नेता चंद्रकांत हंडोरे को टिकट दिया था और वह भी निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। वह विपक्ष के एकमात्र उम्मीदवार थे।

आरबीआई के लेख ने भारत के ऋण-जीडीपी अनुपात पर आईएमएफ के तर्क को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक लेख में देश के सामान्य सरकारी ऋण के बारे में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के तर्क को खारिज किया गया है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा के नेतृत्व वाली एक टीम द्वारा लिखे गए लेख में इस बात पर जोर दिया गया कि ऋण-जीडीपी अनुपात अनुमान से काफी कम हो सकता है।

'राजकोषीय समेकन के अनुकूल वृद्धि का आकार' शीर्षक वाले लेख में कहा गया है कि अनुभव से मिले निष्कर्षों से पता चलता है कि विवेकपूर्ण राजकोषीय समेकन और वृद्धि के बीच मध्यम अवधि की पूरकता अल्पकालिक लागत से अधिक हैं। लेख के मुताबिक, सामाजिक और भौतिक बुनियादी ढांचे, जलवायु कार्यवाही, डिजिटलीकरण और श्रमबल को कुशल बनाने पर किए जा रहे खर्च का दीर्घकाल में फायदा मिल सकता है।

आरबीआई के फरवरी बुलेटिन में प्रकाशित लेख में कहा गया है कि सामान्य सरकारी ऋण-जीडीपी अनुपात आईएमएफ के अनुमानित पथ से कम है। पात्रा के नेतृत्व वाली टीम ने कहा कि सामान्य सरकारी ऋण-जीडीपी अनुपात 2030-31 तक घटकर 73.4 प्रतिशत होने का अनुमान है।

यह आंकड़ा आईएमएफ के अनुमान 78.2 प्रतिशत से लगभग पांच प्रतिशत कम है। लेख में कहा गया है कि इसमें व्यक्त विचार लेखकों के हैं और ये भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

एआई के लिए नियमों का मसौदा जुलाई तक जारी होगा : चंद्रशेखर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने मंगलवार को कहा कि सरकार कृत्रिम मेधा (एआई) के लिए इस साल जून-जुलाई तक नियमों का मसौदा जारी करेगी।

यहां सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के शीर्ष निकाय नैसकॉम (नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज कंपनजी) के दो दिन के 'लीडरशिप' शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, सरकार एआई नियमन ढांचे के मसौदे पर काम कर रही है। इसे इस साल जून या जुलाई में जारी किया जाएगा। हमारा इरादा आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए एआई का उपयोग करना और उससे संभावित जोखिम और नुकसान का समाधान करना है। चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार एआई प्रशिक्षित व्यक्तियों को तैयार करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। मंत्री ने कहा, हम एआई की क्षमता का पूरी तरह से उपयोग करेंगे, लेकिन दुरुपयोग को रोकने के लिए उपाय भी करेंगे। आज दुनिया हमें एआई प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के मामले में अगुवा देख रही है। हम सभी खेत से लेकर कारखानों तक उपयोग के मामलों में एआई को तैनात करने के पक्ष में हैं। हम आर्थिक वृद्धि, स्वास्थ्य देखभाल, कृषि और किसानों की उत्पादकता के लिए एआई का उपयोग करना चाहते हैं। सरकार लंबे समय से एआई विनियमन ढांचा जारी करने की योजना बना रही है। पिछले साल मई में में भी उन्होंने रूपरेखा का पहला मसौदा जारी करने की बात कही थी। हालांकि, इसे अभी तक जारी नहीं किया गया है। इंटरनेट और एआई की व्यापक प्रकृति को देखते हुए, यह महत्वपूर्ण है कि एक वैश्विक व्यवस्था हो जो एआई की सुरक्षा और भरोसा सुनिश्चित करे।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा, पार्टी के तीन अन्य उम्मीदवार गुजरात से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और पार्टी के तीन अन्य उम्मीदवारों को मंगलवार को गुजरात से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

राज्य में राज्यसभा की चार सीटें खाली थीं और सत्तारूढ़ भाजपा के उम्मीदवारों ने इन सीटों पर अपना-अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था।

एक अधिकारी ने कहा, चूंकि गुजरात से राज्यसभा चुनाव के लिए चार रिक्त सीटों पर किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया था, ऐसे में निर्वाचन अधिकारी रीता मेहता ने नड्डा सहित सभी चार भाजपा उम्मीदवारों को संसद के उच्च सदन के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया। मंगलवार को नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख थी। नड्डा के अलावा, राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने गए तीन अन्य उम्मीदवार - हीरा कारोबारी गोविंदभाई ढोलकिया, भाजपा नेता जसवंत सिंह परमार और मयंक नायक हैं।

बैटिंग के पैसे चुकाने के लिए रियल स्टेट एजेन्ट करने लगा चोरी

पुलिस ने चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया एक व्यक्ति को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कहते है कि कई बार अपनी औकात से बड़े शौक भी व्यक्ति को गर्त में ले जाते है। ऐसे ही ऑनलाइन बैटिंग करने का शौक रियल स्टेट एजेन्ट सुनील को चोर बना देता है।

नगर पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने एक पत्रकार वार्ता में इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि सुनील शहर में रियल स्टेट एजेन्ट था और उसका काम भी अच्छा चल रहा था, पर उसे ऑनलाइन बैटिंग का शौक था जिसके चलते वह बैटिंग के बुरे शौक में फंसता चला गया और इतना फंस गया कि उससे बाहर निकलने के लिए उसने चोरी करनी की योजना बनाई और चोरी को अंजाम दिया। सुनील बीटीएम लेआउट, माइको लेआउट सुबह सुबह घूमने जाता और ऐसे घरों की रैकी करता जिसमें से पति पत्नी सुबह सुबह अपने काम पर व बच्चे स्कूल चले जाते और घर पर रह जाता ताला। 31 वर्षीय सुनील ऐसे ही घरों का ताला तोड़कर उनमें से कीमती सामान व ज्वेलरी की चोरी कर लेता। सुनील दो पहिया वाहन पर घूमता था ताकि किसी को शक न हो सके। इस तरह की घटनाओं की बार बार शिकायत आने पर दक्षिण पूर्व विभाग के डीसीपी सीके भावा के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस दल का गठन किया गया और घात लगाकर टीम ने सुनील को पकड़ा। सुनील के पास से 30 लाख रुपए मूल्य के आभूषण मिले हैं जिसमें 525 ग्राम सोने के आभूषण व 550 ग्राम चांदी के आभूषण शामिल है। उसके पास से दो मोबाइल फोन और दो पहिया वाहन भी जब्त किया है। पुलिस पूछताछ में सुनील ने अपने शौक के बारे में बताया कि चोरी करने के तरीकों की भी जानकारी दी। उसने कबूल किया कि अभी तक उसने 11 घरों में चोरी की है।

केंद्र सरकार के साथ वार्ता के नतीजे पर निर्भर होगा प्रस्तावित आमरण अनशन : सोनम वांगचुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। लद्दाख के वास्ते संवैधानिक सुरक्षा उपायों के लिए अभियान चला रहे सोनम वांगचुक ने मंगलवार को कहा कि प्रस्तावित ''आमरण अनशन'' की समीक्षा अगले सप्ताह की जाएगी। यह केंद्रशासित प्रदेश को राज्य का दर्जा देने सहित उनकी विभिन्न मांगों पर केंद्र सरकार के सात बातचीत के नतीजे पर निर्भर करेगा।

वांगचुक मांगों को लेकर मंगलवार से आमरण अनशन की शुरुआत करने वाले थे। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम 26 फरवरी को लेह शहर में एक विशाल जनसभा बुलाएंगे। हम लद्दाख के लोगों की मांगों को स्वीकार करने के लिए या तो सरकार को धन्यवाद देंगे या फिर वार्ता विफल होने की स्थिति में आमरण अनशन करेंगे।

लद्दाख नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के पदाधिकारी वर्तमान में राष्ट्रीय राजधानी में मौजूद हैं। उन्होंने सोमवार को केंद्र सरकार के साथ नए दौर की बातचीत के बाद घटनाक्रम को महत्वपूर्ण बताते हुए आमरण अनशन के कार्यक्रम को अस्थायी रूप से रोक दिया है।

उसने कहा कि सरकार लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने, इसे राज्य का दर्जा देने और लद्दाख क्षेत्र के लिए एक विशेष लोक सेवा आयोग की स्थापना की मांगों पर चर्चा करने के लिए सहमत हो गई है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय की अध्यक्षता में लद्दाख से संबंधित उच्चाधिकार समिति (एचपीसी), एलएबी के 14-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल और केंद्रशासित प्रदेश के विभिन्न संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले केडीए की बैठक के दौरान इन समझौतों पर सहमति बनी थी।

बैठक में मांगों के ब्योरे पर विचार करने की कवायद को आगे बढ़ाने के लिए एक संयुक्त उप-समिति गठित करने का भी निर्णय लिया गया।

भारत में नौ परियोजनाओं के लिए 12,800 करोड़ रुपए का कर्ज देगा जापान

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि जापान सरकार ने भारत में विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित नौ परियोजनाओं के लिए 232.20 अरब येन (लगभग 12,800 करोड़ रुपए) का कर्ज देने की प्रतिबद्धता जतायी है। इन परियोजनाओं में पूर्वोत्तर में सड़क नेटवर्क संपर्क, तेलंगाना में स्टार्ट-अप और नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए परियोजना, चेन्नई पेरिफेरल रिंग रोड के निर्माण, हरियाणा में पर्यावरण अनुकूल बागवानी को बढ़ावा देने और राजस्थान में जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बेहतर बनाने से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि सड़क नेटवर्क संपर्क परियोजनाओं का लक्ष्य देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास में सुधार करना है, जबकि चेन्नई में पेरिफेरल रिंग रोड परियोजना का उद्देश्य यातायात की भीड़ को कम करना है। इस समझौते पर आर्थिक मामलों के विभाग में अतिरिक्त सचिव विकास शील और भारत में जापान के राजदूत सुजुकी हिरोशी ने हस्ताक्षर किए।

बयान के अनुसार, नगालैंड में परियोजना के तहत मेडिकल कॉलेज अस्पताल को विकसित किया जाएगा। इससे चिकित्सा सेवा को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। तेलंगाना की परियोजना के तहत महिलाओं और ग्रामीण आबादी पर ध्यान केंद्रित करते हुए उद्यमिता कौशल का पता लगाने के साथ एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) के व्यापार विस्तार का समर्थन किया जाएगा।

हरियाणा सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह समर्पित है : राज्यपाल दत्तात्रेय

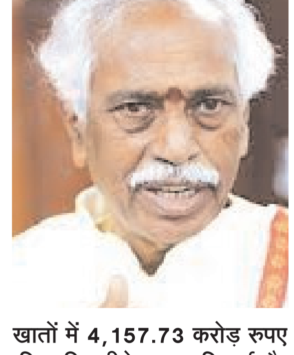

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार किसानों की कड़ी मेहनत को महत्व देती है और उनके कल्याण के लिए पूरी तरह समर्पित है। दत्तात्रेय ने कहा कि सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वावलंबन, स्वाभिमान, सेवा और सुशासन पर आधारित राज्य के सर्वांगीण और समावेशी विकास के लिए अथक प्रयास कर रही है।

बजट सत्र के पहले दिन हरियाणा विधानसभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि सरकार ने हमेशा गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के कल्याण और उत्थान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। राज्यपाल ने कहा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पिछले चार वर्षों में राज्य के 19.94 लाख किसानों के खातों में 4,157.73 करोड़ रुपए की राशि सीधे जमा की गई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, राज्य सरकार ने 14 फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदकर एक अनूठी मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' पोर्टल पर पंजीकृत किसानों के खातों में सीधे 90,000 करोड़ रुपए जमा किए गए हैं, जबकि 'भावांतर भरपाई योजना' के तहत बाजरा उत्पादक किसानों के बैंक खातों में 836.12 करोड़ रुपए जमा किए गए हैं। दत्तात्रेय ने कहा कि राज्य सरकार ने ''प्राकृतिक आपदाओं के दौरान किसानों के लिए ढाल के रूप में काम किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 32.06 लाख किसानों के लगभग 8,178 करोड़ रुपए के दावे का भुगतान किया गया है।

राज्यपाल ने कहा कि सरकार ने मिट्टी की गुणवत्ता को खराब होने से बचाने और खतरनाक कीटनाशकों के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए प्राकृतिक खेती योजना लागू की है। उन्होंने कहा कि 'मेरा पानी-मेरी विरासत' योजना के तहत 1.72 हजार एकड़ भूमि पर धान की जगह वैकल्पिक फसलें बोने के लिए 7,000 रुपए प्रति एकड़ की दर से लगभग 117.22 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। राज्यपाल ने कहा कि समय पर ऋण चुकाने वाले किसानों को ब्याज मुक्त फसल ऋण की सुविधा दी गई है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
DNR Highline @ Okalipuram
near LULU Mall Rajajinagar
3 & 4 BHK FLATS
with 7 Star Luxurious Amenities.
Only Few Flats available for Sale.
for details
Contact Owner: 9844027560

भारत का एआई बाजार 2027 तक 17 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा : नैसकॉम-बीसीजी रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत का कृत्रिम मेधा (एआई) बाजार सालाना 25-35 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है और इसके 2027 तक 17 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, यह वृद्धि उद्यम प्रौद्योगिकी खर्च में वृद्धि, भारत के बढ़ते एआई प्रतिभा आधार तथा एआई निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि सहित कई कारकों से प्रेरित है। रिपोर्ट का शीर्षक 'एआई पावर्ड टेक सर्विज : ए रोडमैप फॉर फ्यूचर रेडी फर्म्स, एआई एंड जनएआई रोल इन टर्बोचार्जिंग द इंडस्ट्री' है।

बीसीजी के साथ साझेदारी में नैसकॉम रिपोर्ट यहां नैसकॉम टेक्नोलॉजी एंड लीडरशिप फोरम 2024 के मौके पर जारी की गई। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर एआई में निवेश में 2019 से 24 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि देखी गई है। 2023 में 83 अरब डॉलर के करीब निवेश हुआ था। अधिकतर निवेश डेटा एनालिटिक्स, जेनएआई और एमएल एल्गोज़ और मंच में किए गए थे। इसमें कहा गया, भारतीय प्रौद्योगिकी सेवाओं और भारत में निर्मित उत्पाद में इसमें से करीब 93% निवेश डिजिटल सामग्री, डेटा एनालिटिक्स और आपूर्ति श्रृंखला पर केंद्रित है। एआई में काम करने वाले 4,20,000 कर्मचारियों के साथ भारत में दूसरा सबसे बड़ा स्थापित प्रतिभा आधार है। अन्य देशों की तुलना में 3 गुना अधिक एआई कुशल प्रतिभा के साथ भारत में कौशल पहुंच भी सबसे अधिक है।

अपने राज्य की जनता के लिए हक मांगना क्या गलत है?

सदन में एचडी कुमारस्वामी ने की बीजेपी की वकालत, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने किया पलटवार

पैसे देने के बाद भी केन्द्र ने चावल क्यों नहीं दिए?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विधानसभा में भाजपा की वकालत करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बताया कि उन्होंने राज्य और राज्य के लोगों की ओर से वकालत करते हुए केंद्र को कई पत्र लिखे थे। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने सदन को राज्य की जनता की ओर से अपना हिस्सा पाने के लिए किये गये सभी प्रयासों के बारे में बताया।

पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि उन्हें केंद्र के साथ टकराव में नहीं पड़ना चाहिए, लेकिन हम संघर्ष में नहीं उतरे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के संवैधानिक अधिकार और अनुदान मांगना कोई टकराव नहीं होगा।

राज्य में भयंकर सूखा पड़ा है। हमने सूखा राहत के लिए केंद्र को 17 बार पत्र लिखा। इनमें से सिर्फ एक पत्र का केंद्र से जवाब आया, 'आपका पत्र मिल गया है।' लेकिन बाकी 16 पत्रों का जवाब नहीं दिया गया। आज तक केंद्रीय अनुदान से एक भी पैसा राज्य को नहीं मिला है। यह राज्य का वैधानिक अधिकार है। राज्य का हिस्सा है। केंद्र यह भी उपलब्ध नहीं करा रहा है। क्या अपना हिस्सा, राज्य का हिस्सा मांगना गलत है? उन्होंने सवाल किया कि यह कैसा संघर्ष होगा।

जब राज्य में सूखा पड़ा तो नियमानुसार नरेगा में मानव दिवस को 100 से बढ़ाकर 150 दिन कर देना चाहिए था। हमारे बार-बार अनुरोध के बावजूद मानव दिवस कभी नहीं बढ़ाये गये। क्या यह प्रदेश की जनता के साथ अन्याय नहीं है? मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सवालों के जरिए एचडी कुमारस्वामी को जवाब दिया कि अपने राज्य का हक मांगना गलत है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने सत्ता में आते ही जनता से किये गये वादों को पूरा करना शुरू कर दिया। उन्होंने आंकड़ों के साथ बताया कि शक्ति, गृहलक्ष्मी, गृहज्योति और अन्नभाग्य योजनाओं से करोड़ों-करोड़ों लाभार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सदन में भाजपा से सवाल किया कि हमने कहा था कि हम पैसे देंगे, फिर भी केंद्र ने चावल क्यों नहीं दिया? राज्य के लोगों को चावल उपलब्ध कराने के इरादे से हमने केंद्र से 34 रुपये प्रति किलो के हिसाब से चावल देने का अनुरोध किया। लेकिन केंद्र राज्य और राज्य की जनता को चावल देने को तैयार नहीं हुआ। अब कह रहे हैं कि 29 रुपये में चावल देंगे। फिर भी हमें उसी कीमत पर चावल दें। हम इसे केंद्र से खरीद कर राज्य की जनता को देने को तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने बीजेपी सदस्यों को चुनौती देते हुए कहा कि आप केंद्र से बात करें और हमें चावल दिलवाएं।

भाजपा ने केरल के मृत व्यक्ति के परिजनों को मुआवजा देने पर कर्नाटक सरकार को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (एस) ने हाथी के हमले में मारे गये केरल के एक व्यक्ति के परिजनों को 15 लाख रुपये अवैध रूप से 'आवंटित' करने को लेकर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर मंगलवार को तीखा हमला बोला। भाजपा ने आरोप लगाया कि सिद्दरामैया सरकार पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी को फायदा 'पहुंचाने'' के लिए करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग कर रही है।

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने मंगलवार को कहा, कांग्रेस सरकार ने केरल के सांसद राहुल गांधी के आदेश पर कर्नाटक के एक हाथी द्वारा कुचले गए केरल के व्यक्ति के लिए 15 लाख रुपये (मुआवजा) की घोषणा की। भाजपा सरकार के इस फैसले की निंदा करती है। उन्होंने कर्नाटक में भयंकर सूखे त्रस्त किसानों को 2,000 रुपये प्रति हेक्टेयर मुआवजा देने को लेकर भी सरकार की आलोचना की और कहा कि सरकार ने मुआवजा इस तरह दिया मानो किसानों को भीख दे रहे हों।

शिकारीपुरा के विधायक ने कहा कि सरकार केवल राहुल गांधी और कांग्रेस आलाकमान को खुश करने के लिए हाथी के हमले में मारे गए व्यक्ति के परिजनों को 15 लाख रुपये दे रही है। कर्नाटक सरकार का यह कदम 'निंदनीय' है।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने कर्नाटक के करदाताओं के पैसे को कांग्रेस पार्टी की संपत्ति की तरह इस्तेमाल करने के लिए राज्य के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे पर निशाना साधा।

अशोक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर सवाल पूछा, ''नमस्कार ईश्वर खंड्रे, क्या आपको लगता है कि कर्नाटक के करदाताओं का पैसा कांग्रेस की संपत्ति है जिसे राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल के आदेश पर जारी किया जाए?'' जद (एस) नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने भी कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि इसने वायनाड में मारे गए व्यक्ति को 15 लाख रुपये दिए, लेकिन कर्नाटक में हाथियों के हमले में मारे गए लोगों को केवल पांच लाख रुपये दिए।

उन्होंने कहा, ''कर्नाटक में हाथियों के हमले में मारे गए लोगों के परिवारों को आसानी से पैसा नहीं मिलता है। उन्हें संघर्ष करना पड़ता है। आपने ऐसे हालात पैदा कर दिये हैं। हालांकि, इस मामले (वायनाड घटना) में आपने 'बिजली की गति' से धन राशि जारी की। यही इस सरकार का आचरण है।''

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि उन्हें कर्नाटक सरकार द्वारा दिए गए मुआवजे के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि जानकारी मिलने के बाद ही वह कोई प्रतिक्रिया देंगे।

यदि याचिकाएं उचित प्रारूप में प्रस्तुत की गईं तो केंद्रीय अनुदान आएगा : बसवराज बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने राज्य सरकार पर भद्रा ऊपरी तटबंध परियोजना के लिए केंद्र से धन प्राप्त करने के लिए उचित प्रारूप में अनुरोध प्रस्तुत नहीं करने और केंद्र पर राजनीति करने और राज्य के लोगों को अपमानित करने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया जब राज्यपाल के अभिभाषण पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे तो उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि बजट को लेकर अखबारों के संपादकीय में जो तारीफें आई थीं, उन्होंने उसका जिक्र किया और उसे सही ठहराया।

बोम्मई ने आपत्ति जताई कि मुख्यमंत्री यह कहकर कानून को तोड़-मरोड़ रहे हैं कि हमारे राज्य से जीतने वाली निर्मला सीतारमण ने इन अनुदानों से इनकार कर दिया और 15वें वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित 5495 करोड़ रुपये और परिधीय सड़कों के लिए 6300 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया। यह सही है कि 15वें वित्त आयोग की अंतरिम रिपोर्ट में 5495 करोड़ की अनुशंसा की गयी थी। हालाँकि, यह अंतिम रिपोर्ट में नहीं था, उन्होंने सवाल उठाया कि अगर यह वहाँ नहीं था तो कैसे पूछा जाए। उन्होंने कहा कि पेरिफेरल रोड के लिए अभी भी 6000 करोड़ रुपये बाकी हैं। हालांकि, यहां पेरिफेरल रिंग रोड परियोजना शुरू नहीं हुई है, भूमि अधिग्रहण नहीं हुआ है, अगर परियोजना शुरू हुई तो केंद्रीय अनुदान आएगा।

उन्होंने कहा कि केन्द्र से अनुदान मांगा जाये अर्थात् प्रस्ताव विशिष्ट तरीके से भेजा जाये। भद्रा अपलैंड परियोजना को भी राष्ट्रीय पहचान मिलेगी।

इस संबंध में हमारी सरकार ने परियोजना को आवश्यक अनुमतियां दे दी थीं। अब भी केंद्र से पैसा आता है। बोम्मई ने आरोप लगाया कि कांग्रेस को अनुदान मांगना नहीं आता। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने अपील की कि किस तरीके से आवेदन करना बताएं। बोम्मई ने कहा कि अगर आप सही तरीके से आवेदन करेंगे तो हम राज्य हित में आपके साथ आएंगे।

दूध प्रोत्साहन राशि छह महीने से जारी नहीं : बसवराज बोम्मई

राज्यपाल के भाषण में बोला गया झूठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि राज्यपाल ने सदन के संयुक्त अधिवेशन के अभिभाषण में झूठ बोला कि राज्य के 8.65 लाख दूध उत्पादकों के लिए 757 करोड़ रुपए प्रोत्साहन राशि सीधे ट्रांसफर की गई और दूध उत्पादकों को छह महीने तक प्रोत्साहन राशि जारी नहीं की गई।

राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने चुनौती दी कि राज्यपाल ने कोई झूठ नहीं बोला है, अगर झूठ बोला है तो दिखाएं। उनकी चुनौती का जवाब देते हुए बसवराज बोम्मई ने कहा कि दूध उत्पादक पिछले छह महीने से कोई प्रोत्साहन नहीं मिलने का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने इस मुद्दे पर भी उनसे झूठ बोला है।

उन्होंने कहा कि पांच गारंटी योजनाओं के साथ बजट में घोषित 97 फीसदी घोषणाओं की अधिसूचना जारी हो चुकी है। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह सच नहीं है कि सरकार द्वारा अधिसूचित परियोजनाएं शुरू नहीं हुई हैं। आपने झूठ बोला कि पिछली सरकार के दौरान एक भी नई बस नहीं खरीदी गई। भाजपा काल में चार निगमों के लिए बसें खरीदी गईं।

वर्ष 2022-23 में राज्य की चार परिवहन एजेंसियों में कुल 3,526 नई बसें शामिल करने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, हमारी अवधि के दौरान, बीएमटीसी के लिए 1,311 पावर प्लस बसें और 20 वोल्वो बसें और केएसआरटीसी के लिए 50 बसें खरीदी गईं और उनका परिचालन शुरू हो गया है। कल्याण कर्नाटक क्षेत्रीय विकास बोर्ड के लिए 3000 करोड़ रुपये रखे गए हैं, सरकार ने पहले ही 5468 कार्यों के लिए कार्य योजनाओं को मंजूरी दे दी है और कहा है कि नवंबर तक 1287 कार्य पूरे हो चुके हैं। उन्होंने जवाब दिया कि आपने हमारे समय में स्वीकृत परियोजनाओं को अपनी उपलब्धि बताया।

रामनगर में वकीलों के विरोध का राजनीतिकरण कर रही है भाजपा : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

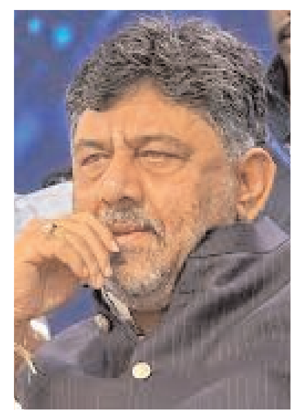

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि अगर वे राजनीति को किनारे रखकर चर्चा की मेज पर आएं तो सरकार रामनगर में हड़ताली वकीलों के मुद्दों का समाधान करने के लिए तैयार है। विधान सौधा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, ''रामनगर में वकीलों की हड़ताल राजनीति से प्रेरित है। बीजेपी इसे राजनीतिक फायदे के लिए भुनाने की कोशिश कर रही है। यदि वकील राजनीति छोड़कर चर्चा की मेज पर आते हैं तो हम कानूनी ढांचे के भीतर उनके मुद्दों को हल करने के लिए तैयार हैं। भाजपा वकीलों को गुमराह कर रही है।

उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया है कि एचडी कुमारस्वामी ने इस मुद्दे पर सदन में चर्चा के लिए समय मांगा है। गृह मंत्री इसका जवाब देंगे। अगर वे राजनीति करना चाहते हैं तो हमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन अगर वे अपने मुद्दों का समाधान चाहते हैं, तो चर्चा की मेज पर उनका स्वागत है। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के प्रति अनादर दिखाने के सवाल पर उन्होंने कहा, ''मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है और इसलिए मैं उस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। यदि वे हमारे साथ मुद्दों पर चर्चा करते हैं, तो हम समाधान की दिशा में काम कर सकते हैं। हम वकीलों, अधिकारियों और जनता का सम्मान करते हैं। हाथी के हमले में मारे गए पीड़ित को कर्नाटक सरकार द्वारा मुआवजे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

विधान परिषद में पुट्टना की जीत 'गठबंधन' पर तमाचा : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विधान परिषद के उपचुनाव के नतीजे से साफ हो गया है कि भाजपा और जद (एस) का गठबंधन मतदाताओं को स्वीकार नहीं है। भाजपा के साथ गठबंधन में जद (एस) का धर्मनिरपेक्षता का मुखौटा उतर गया है। यह उनके गाल पर तमाचा है। विधान परिषद के बेंगलूरु शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार पुट्टना की जीत के बाद मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के नौ महीने के विशाल जन समर्थन और जागरूक मतदाताओं द्वारा सरकार पर जताये गए भरोसे की यह जीत है। भाजपा और जेडीएस ने मिलकर संयुक्त रूप से उम्मीदवार उतारा था परन्तु उन्हें शिकस्त मिली। इससे यह तो जाहिर हो गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा, कुमारस्वामी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के बीच का गठबंधन है, न कि दोनों पार्टियों के मतदाताओं के बीच का गठबंधन है।

सिद्दरामैया ने कहा कि जद (एस) ने अपने परिवार के लाभ के लिए सम्प्रदायवादियों के साथ हाथ मिलाया है। भाजपा जिसने हमेशा परिवारवाद की आलोचना की है, ने दोस्ती की। इस अपवित्र गठबंधन को मतदाताओं ने अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस गठबंधन की कोई गारंटी या वारंटी नहीं है, जो केवल स्वार्थ लाभ के लिए गठबंधन है। लोकसभा चुनाव के बाद कुमार स्वामी परिवार और अन्य लोगों का भगवा उतरना तय है।

मार्च के पहले सप्ताह में तमिलनाडु सरकार को सौंपे जाएंगे जयललिता के गहने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु की एक विशेष अदालत ने कहा है कि तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत जे. जयललिता और अन्य के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में भौतिक साक्ष्य '27 किलोग्राम सोने और हीरे के आभूषण' छह और सात मार्च को पड़ोसी राज्य की सरकार को सौंप दिए जाएंगे। इससे जयललिता पर लगाये गए 100 करोड़ रुपये के जुर्माने की राशि जुटाने के लिए संपत्ति मूल्यांकन का मार्ग प्रशस्त हो गया।

इसमें से 20 किलोग्राम को बेचा या नीलाम किया जा सकता है, बाकी को अदालत ने सोमवार को इस तथ्य पर विचार करते हुए अलग कर दिया था कि ये दिवंगत जयललिता को उनकी मां से विरासत में मिले थे। 32वीं अतिरिक्त नगर दीवानी एवं सत्र अदालत के न्यायाधीश एच.ए. मोहन ने पिछले महीने जयललिता से जब्त किए गए कीमती सामान तमिलनाडु सरकार को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया था। अदालत ने कहा था कि तमिलनाडु सरकार इन सोने और हीरे के आभूषणों के निस्तारण को लेकर आवश्यक कार्रवाई करेगी।

उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर मुकदमा कर्नाटक में चलाया गया था और इसलिए सभी भौतिक साक्ष्य अब अदालत की निगरानी में कर्नाटक के खजाने में हैं। अदालत ने पहले कहा था कि जयललिता के परिजन उन संपत्तियों के हकदार नहीं हैं जो राज्य द्वारा जब्त की गई हैंय विशेष सीबीआई अदालत ने जयललिता की भतीजी जे. दीपा और भतीजे जे. दीपक द्वारा दायर याचिका खारिज कर दी थी। गहनों को तमिलनाडु सरकार को हस्तांतरित करने का आदेश देते हुए, विशेष अदालत के न्यायाधीश ने कहा था, ''गहनों की नीलामी करने के बजाय, उन्हें तमिलनाडु राज्य के गृह विभाग के माध्यम से तमिलनाडु को हस्तांतरित करना बेहतर है।'' अदालत ने तब तमिलनाडु के गृह विभाग को निर्देश जारी किया था कि पुलिस के साथ सचिव स्तर के सक्षम व्यक्ति आयें और गहने प्राप्त करें।

इसी आदेश में विशेष अदालत ने कर्नाटक को राज्य में चलाए गए मुकदमे के खर्च के लिए पांच करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया था। भुगतान चेन्नई में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में जयललिता से संबंधित खाते में सावधि जमा से किया जाएगा। जयललिता, उनकी पूर्व करीबी सहयोगी वी. शशिकला, वी. एन. सुधाकरन और शशिकला की रिश्तेदार जे. इलावरसी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा बेंगलुरु की विशेष अदालत द्वारा चलाया गया था, जिसने उन्हें लगभग दस साल पहले दोषी ठहराया था।

सेंट गेरोसा स्कूल मामला :

कर्नाटक के शिक्षा विभाग ठने जांच शुरू की

मंगलूरु। कर्नाटक के शिक्षा विभाग ने सेंट गेरोसा स्कूल मामले की जांच शुरू कर दी है, जहां एक शिक्षिका को कथित हिंदू विरोधी टिप्पणियों के लिए पद से हटा दिया गया था। कलबुर्गी में शिक्षा विभाग के अतिरिक्त आयुक्त आकाश शंकर सोमवार को मंगलूरु पहुंचे और संबंधित अधिकारियों से घटना के बारे में जानकारी एकत्र की। आरोप है कि स्कूल की शिक्षिका प्रभा ने कक्षा में रवींद्रनाथ टैगोर की कविता कार्य ही पूजा है' पढ़ाते समय हिंदू धर्म के खिलाफ कुछ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। शंकर ने संवाददाताओं से कहा कि वह घटना के बारे में तथ्यान्वेषी जांच के लिए यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि जांच के बाद विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाएगी। स्कूल के कुछ छात्रों के अभिभावकों ने आरोप लगाया था कि शिक्षिका प्रभा ने भगवान राम के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करके हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत किया है, जिसके बाद राज्य सरकार ने घटना की जांच के लिए शंकर को नियुक्त किया था। हिंदूवादी संगठनों और भाजपा नेताओं ने हाल में स्कूल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था।

एसएसएलसी की 25 मार्च से वहीं माध्यमिक पीयूसी परीक्षा 1 मार्च से होगी शुरु

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सरकार ने एसएसएलसी और दूसरी पीयूसी परीक्षा 6 अप्रैल तक पूरी करने के लिए अंतिम कार्यक्रम की घोषणा की है। प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कार्यक्रम में यह घोषणा करते हुए स्पष्ट किया कि अदालत के निर्देशानुसार समान नियम का पालन किया जाएगा।

माध्यमिक पीयूसी परीक्षा 1 से 22 मार्च तक, एसएसएलसी परीक्षा 25 मार्च से 6 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। इस साल राज्य में 8,96,271 बच्चे एसएसएलसी के लिए, 6,98,624 बच्चे माध्यमिक पीयूसी परीक्षा देंगे। राज्य में इसके लिए कुल 2,741 परीक्षा केंद्र होंगे। एसएसएलसी में 20 अंकों की आंतरिक परीक्षा होगी, जबकि माध्यमिक पीयूसी परीक्षा पिछले साल की तरह 80-20 अंकों की होगी। उन्होंने कहा कि छात्र 80 अंकों की लिखित परीक्षा देंगे और शेष 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के माध्यम से दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव दोनों परीक्षाओं के नतीजे अप्रैल के आखिरी सप्ताह में घोषित किये जायेंगे।

एसएसएलसी परीक्षा समय सारणी के अनुसार 25 मार्च सोमवार को प्रथम भाषा परीक्षा- कन्नड़, तेलुगु, हिंदी, मराठी, तमिल, उर्दू, अंग्रेजी, +अंग्रेजी (एनसीईआरटी) की होगी। सामाजिक विज्ञान की परीक्षा 27 मार्च को, विज्ञान, विज्ञान, राजनीति की परीक्षा 30 मार्च को, गणित, समाजशास्त्र की परीक्षा 02 अप्रैल को, अर्थशास्त्र की परीक्षा 03 अप्रैल को होगी। परीक्षाएं सुबह 10.15 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक होगी।

वहीं सेकेन्ड पीयूसी परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार 1 मार्च को कन्नड़ और अरबी परीक्षा, सोमवार 4 मार्च को गणित की परीक्षा, मंगलवार 5 मार्च को राज्य विज्ञान, अंकगणित परीक्षा, बुधवार 6 मार्च को सूचना प्रौद्योगिकी, खुदरा, ऑटो मोबाइल परीक्षा।

श्री जांगिड़ समाज (ट्रस्ट) कर्नाटक

सप्तम वर्षगांठ - 34वां वार्षिकोत्सव

दि. 21 फरवरी एवं 22 फरवरी 2024

आदरणीय महानुभाव,

समस्त जांगिड़ समाज बंधुओं को सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 34वां वार्षिकोत्सव भगवान श्री विश्वकर्मा जयंती के उपलक्ष्य में सत्संग एवं प्रसादी का आयोजन मंदिर के प्रांगण में रखा गया है। इस पावन अवसर पर आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं। आप सब समाज बंधुओं से निवेदन है कि समय पर पधारकर आयोजित कार्यक्रम को सफल बनावें।

श्री विश्वकर्मा जयंती कार्यक्रम

संवत 2080, मिति माघ सुदि 12, बुधवार, दि. 21 फरवरी 2024

दीप प्रज्वलन प्रात: 11.15 बजे | प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान दोपहर 2 बजे से 4 बजे से | अध्यक्षीय भाषण सायं 4.15 बजे

चढावें (बोलियां) रात्रि 9 बजे | भजन संध्या सायं 5.00 बजे से 7.30 बजे तक

संवत 2080, मिति माघ सुदि 13, गुरुवार, दि. 22 फरवरी 2024

हवन - प्रात : 5.15 बजे | अभिषेक - प्रात: 6.15 बजे

अमर ध्वजारोहण : प्रात: 6.15 बजे - गुगरिया परिवार, दुदौड़ द्वारा

जनेऊ, पोषाक, तिलक, माला, आरती, गुलाल : प्रात: 8 बजे

महाप्रसादी : प्रात 11.30 बजे से

नोट : स्वजातिय बंधुओं से निवेदन है कि आप इस अवसर पर अपने प्रतिष्ठान में अवकाश रखावे।
-प्रतिभावान छात्र-छात्राओं जिन्होंने 10वीं पास व डिग्री तक 80 प्रतिशत से ऊपर के अंक अर्जित किए है उनको समाज द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।
- जिन समाज बंधुओं को समाज की पत्रिका नहीं मिली हो तो वह सज्जन इस विज्ञापन को ही पत्रिका का मान देकर कार्यक्रम में पधारने का कृपा करावें।

निवेदक : श्री जांगिड़ समाज (ट्रस्ट) कर्नाटक

नं. 32-33, टेंक बण्ड रोड, बिन्नी प्ले ग्राउण्ड के सामने, बेंगलूर - 23, फोन : 080 - 26744862

कांग्रेस परिवारवादी पार्टी, देश का विकास नहीं कर सकती : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उसे परिवारवादी व दिशाहीन पार्टी बताया तथा कहा कि वह देश का विकास नहीं कर सकती। शाह ने उदयपुर में पार्टी के कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'कांग्रेस पार्टी परिवारवाद पार्टी है। इतना ही नहीं ये दिशाविहीन पार्टी है। उन्होंने कहा, 'भारत का विकास कांग्रेस पार्टी नहीं कर सकती। गरीबों का कल्याण कांग्रेस पार्टी नहीं कर सकती। भारत को सुरक्षित यह कांग्रेस पार्टी नहीं कर सकती। भारत का गौरव कांग्रेस पार्टी नहीं बढ़ा सकती।' शाह ने कहा कि कांग्रेस वाले एफिडेविट देते हैं कि राम का अस्तित्व भी नहीं है। उन्होंने कहा,' कांग्रेस देश का विभाजन करने पर तुली है। उनके नेता उत्तर भारत, दक्षिण भारत, दो हिस्सों में देश को बांटने की मांग करते हैं।'

भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने राम मंदिर के मुद्दे को अटकाकर रखा। शाह ने कहा,' कांग्रेस ने राम मंदिर के मुद्दे को अटकाकर, लटकाकर व भटकाकर रखा। कहीं पर भी इनकी मंशा नहीं थी कि अयोध्या में राम मंदिर बने।' शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दस साल में देश के पच्चीस करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर लाने का काम किया।' इससे पहले शाह राजस्थान के एक दिवसीय दौरे पर मंगलवार दोपहर बीकानेर पहुंचे। उन्होंने वहां आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बीकानेर क्लस्टर में लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक को संबोधित किया। बीकानेर हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी व केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल सहित अन्य नेताओं ने उनकी अगवानी की।

बीकानेर में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह राजस्थान के एक दिवसीय दौरे पर मंगलवार दोपहर बीकानेर पहुंचे। उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बीकानेर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बीकानेर 'क्लस्टर' में लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक को संबोधित किया। इसके बाद वे उदयपुर में 'कार्यकर्ता सम्मेलन' को संबोधित करेंगे और शाम को जयपुर में 'प्रबुद्धजन सम्मेलन' में विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्धजनों के साथ संवाद का कार्यक्रम है। बीकानेर हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सी.पी. जोशी और केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल सहित अन्य नेताओं ने उनकी अगवानी की।

पार्टी सूत्रों के अनुसार शाह अपने इस एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान तीन क्लस्टर'' पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जिनमें जयपुर, उदयपुर और बीकानेर की तीन लोकसभा सीट शामिल हैं। पिछले साल दिसंबर में राजस्थान की 200 विधानसभा सीट में से 115 सीट जीतकर सत्ता में आई भाजपा की नजर आगामी आम चुनाव में राज्य की सभी 25 लोकसभा सीट जीतने पर है। हालांकि, करणपुर विधानसभा सीट पर बाद में हुए चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार सुरेंद्रपाल सिंह टी.टी हार गए। पार्टी ने मतदान से पहले ही टीटी को मंत्री बना दिया था।

करणपुर सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार के निधन के कारण यहां चुनाव बाद में आयोजित किये गये। किसान बहुल क्षेत्र श्रीगंगानगर उत्तरी राजस्थान के बीकानेर संभाग में आता है। माना जा रहा है कि करणपुर में पार्टी के खराब प्रदर्शन को गंभीरता से लेते हुए शाह ने लोकसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए अपने दौरे की शुरुआत बीकानेर से की है। बीकानेर केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का गृह क्षेत्र भी है। शाह दोपहर बाद उदयपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करेंगे। उदयपुर दक्षिण राजस्थान में एक आदिवासी बहुल क्षेत्र है। गृह मंत्री के कार्यक्रम से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ आदिवासी नेता एवं पूर्व राज्य मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीया सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए।

इस कदम को भाजपा के आदिवासी इलाकों विशेष रूप से बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ जिले और आसपास के क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। इस इलाके में भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) ने हाल ही में दम दिखाया जब उसने विधानसभा चुनावों में तीन सीट (डूंगरपुर में दो और प्रतापगढ़ जिले में एक) जीती जिससे भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए चिंताएं बढ़ गईं।

राजस्थान के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर से बीते चौबीस घंटे में राज्य के कई इलाकों में हल्की से मध्यम दर्ज बारिश हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पिछले 24 घंटे में जैसलमेर, चूरू, सीकर, झुंझुनू जिलों और आसपास के क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है। पश्चिमी राजस्थान में सर्वाधिक बारिश जैसलमेर में 39 मिलीमीटर और पूर्वी राजस्थान के सीकर में 10 मिलीमीटर दर्ज की गई।

इसके अनुसार एक प्रेरित परिसंचरण तंत्र पाकिस्तान और आसपास के पंजाब क्षेत्र के ऊपर बना हुआ है। इसके प्रभाव से आज मंगलवार को भी जोधपुर, अजमेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ भागों में हल्की बारिश होने तथा एक-दो स्थानों पर ओलावृष्टि होने की संभावना है। इसके अलावा, 21 फरवरी को पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश भागों में मौसम सामान्य तौर पर शुष्क रहेगा। हालांकि, भरतपुर और जयपुर संभाग में बादल छाए रहने और कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। शेष अधिकांश भागों में आगामी तीन-चार दिन मौसम के सामान्य तौर पर शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान बीते चौबीस घंटे में चुरू में न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा सभी इलाकों में यह 12 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक रहा। राज्य के कई इलाकों में गर्मी भी जोर पकड़ने लगी है। इस दौरान कोटा में अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री और बाड़मेर में 33.3 डिग्री सेल्सियस रहा।

बजरी लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने युवक को कुचला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले के मथुरा गेट थाना क्षेत्र में मंगलवार को बजरी लदी एक ट्रैक्टर ट्राली से एक युवक को कुचले जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार ट्रैक्टर ट्रॉली में बजरी लदी थी और इससे एक पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा जिसको लेकर चालक एवं एक युवक के बीच विवाद हो गया। उन्होंने बताया कि इलाके में एक निर्माणाधीन मकान पर बजरी डालने आई ट्रैक्टर-ट्रॉली से पड़ोसी के घर की पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होने पर विवाद हुआ था।

उन्होंने बताया कि पड़ोसियों ने पीछा कर ट्रैक्टर-ट्रॉली रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक नहीं रुका।

उन्होंने बताया कि ट्रॉली ने इस दौरान उपेन्द्र कुमार (22) नामक युवक को कुचल दिया और ट्रॉली लेकर फरार हो गया। यह पूरी घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई। पुलिस उपनिरीक्षक वीरेन्द्र सिंह ने बताया, घटना बीना नारायण गेट के पास हुई। उपेन्द्र कुमार (22) को एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने कुचल दिया। हमने ट्रैक्टर जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश की जा रही है। उसकी गिरफ्तारी के लिए टीमें भेजी गई हैं। उन्होंने बताया कि परिजन पीड़ित को अस्पताल ले गये जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक ने मौके से भागते समय रेहड़ी-पटरी वालों की दो रेहड़ियों को भी टक्कर मार दी और बाद में उसे एक दीवार से टकरा दिया और मौके से भाग गया।

अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के स्थानीय जनों से राज्यपाल मिश्र ने किया संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम राज्य के स्थापना दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल मिश्र ने राजभवन में मंगलवार को इन दोनों ही राज्यों के निवासियों से मुलाकात कर उनसे संवाद भी किया। उन्होंने इस दौरान कहा कि उत्तर-पूर्व के यह दोनों ही राज्य भारत की संप्रभुता से जुड़े जनजातीय संस्कृति और परंपराओं की अनूठी धरोहर लिए है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम की प्राकृतिक संपन्नता और भेदभाव रहित परस्पर मेलजोल की संस्कृति की भी इस दौरान विशेष रूप से सराहना की।

मिश्र ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम विविधता में एकता की भारत भूमि के विशिष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के लिए सभी को मिलकर कार्य करने पर भी जोर दिया।

इससे पहले उन्होंने इन दोनों राज्यों की स्थापना से जुड़े इतिहास और संविधान से जुड़ी भारतीय संस्कृति के बारे में भी स्थानीय जनों से संवाद किया। अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के लोगों ने स्थापना दिवस पर राजभवन में आने के अपने अनुभव साझा कर राज्यपाल मिश्र का आभार जताया। मिजोरम की सुआपुई और सुफेली ने गीत और मिजोरम अरुणाचल के लोगों ने वहां की संस्कृति से जुड़ी समवेत प्रस्तुति दी।

सभी ने बाद में राजभवन स्थित संविधान उद्यान का अवलोकन कर सराहना की। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव गौरव गोयल और प्रमुख विशेषाधिकारी गोविन्द राम जायसवाल भी उपस्थित रहे।

रामराज्य की परिकल्पना में सभी का कल्याण निहित : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि अमृतकाल में भारत को विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए राम राज्य की सोच और आदर्श पर चलना ही सबसे उपयुक्त है। मुख्यमंत्री मंगलवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में ''अमृत काल के लक्ष्य प्राप्त करने में लोक प्रशासन की भूमिका'' विषय पर स्वामी गोविन्द देव गिरि जी महाराज के व्याख्यान के अवसर पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों एवं लोकसेवकों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की उन्नति के लिए धर्म का पालन बहुत आवश्यक है।

सही मार्ग पर चलना, राष्ट्रहित तथा हर व्यक्ति को न्याय मिले यह सब धर्म की अवधारणा में निहित है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने अपने जीवन में धर्म और मर्यादा के पालन का आदर्श समाज के सामने प्रस्तुत किया। भगवान राम के आदर्शों पर आधारित रामराज्य की अवधारणा में सभी के कल्याण का भाव निहित है।

शर्मा ने कहा कि लोक सेवकों को देश एवं प्रदेश की प्राथमिकताओं के अनुसार नीतियां बनानी चाहिए तथा उन नीतियों में नवीनतम तकनीक और नवाचारों को प्रभावी रूप से लागू करना चाहिए। साथ ही, उन्हें सुशासन के लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और सर्विस डिलिवरी पर फोकस रखते हुए कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि लोकसेवकों को अपनी भूमिका निष्ठा से निभानी होगी, जिससे आमजन का सुशासन के प्रति विश्वास बना रहें तथा विकसित भारत के निर्माण में सभी अपना योगदान दे सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या का राम मंदिर वर्तमान में दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक केंद्र है। इस मंदिर के निर्माण में श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष के रूप में स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज के योगदान को कोई नहीं भुला सकता। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हजारों सालों से चलती आ रही हमारे देश की महान संस्कृति और परम्परा को आगे बढ़ाया है, जिसका लोहा पूरी दुनिया मानती है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित करते हुए स्वामी गोविन्द देव गिरि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत काल की संकल्पना हम सबके सामने रखी, जिसमें उन्होंने नारी, किसान, युवा एवं गरीब चार वर्गों के उत्थान पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के इस विजन तथा मुख्यमंत्री की प्रेरणा को पूरा करने के लिए लोकसेवकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि योजना बनाकर धरातल पर लागू करने का काम लोकसेवकों का ही है।

'राजस्थान विधानसभा शीघ्र होगी डिजिटल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विधानसभा को डिजिटल बनाने की प्रक्रिया शीघ्र ही आरम्भ कर दी जायेगी। इसके लिए केन्द्र सरकार की राज्य की विधानसभाओं को डिजिटल बनाये जाने के लिए 'वन नेशन - वन एप्लीकेशन' के तहत नेशनल ई- विधान एप्लीकेशन का उपयोग राजस्थान विधानसभा को डिजिटल बनाये जाने के लिए किया जायेगा।

मंगलवार को विधानसभा में अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में विधानसभा को डिजिटल बनाये जाने के लिए एक बैठक हुई। बैठक में देवनानी ने नेशनल ई- विधान एप्लीकेशन (नेवा) की जानकारी ली। देवनानी ने बताया कि इस ई- विधान एप्लीकेशन से राज्य विधानसभा के सदस्यों और अधिकारियों को कार्य करने में आसानी होगी। इस एप्लीकेशन से विधानसभा के सदन से संबंधित विधेयक, रिपोर्टस आदि की जानकारी मीडिया, अनुसंधानकर्ता और आम नागरिक देख सकेंगे। इससे विधानसभा की कार्यवाही पेपर लेस हो सकेगी और स्टेशनरी की बचत भी होगी। ई- विधान एप एन्ड्रोएड और आई.ओ.एस. दोनों तरह के मोबाइल पर चल सकेगा। यह एप ई-बुक और वेबसाइट पर भी उपलब्ध होगा। नेवा के तहत सदन की कार्यवाही विवरण, सदन में रखे जाने वाले पेपर्स, विधेयक से संबंधित जानकारी, समितियों की रिपोर्ट, प्रश्न और उनके जवाब, बुलेटिन, कार्यवाही विवरण, डिजिटल लाईब्रेरी, सूचनाएं और सदस्यों से संबंधित जानकारी एक ही एप्लीकेशन में उपलब्ध होगी।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी को नेवा के अधिकारियों ने बताया कि नेवा का बीस राज्यों से सदनों को डिजिटल किये जाने का एम.ओ.यू. हो चुका है। उन्नीस राज्यों की डीपीआर बन चुकी है। उन्नीस राज्यों में यह परियोजना स्वीकृत हो गई है और तेरह राज्यों में नेवा के तहत विधानसभाओं को डिजिटल किये जाने हेतु कार्य आरम्भ हो गया है।

बैठक में राजस्थान विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा सहित नेवा, एन.आई.सी. और गुजरात विधानसभा में कार्य कर रहे सूचना तकनीकी विशेषज्ञ मौजूद थे।

हर विधायक का लोकतांत्रिक अधिकार है कि वह किस पार्टी में रहना चाहता है : मालवीय

भरतपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधायक महेन्द्रजीत मालवीय के कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के मामले में कहा-कि हर विधायक का लोकतांत्रिक अधिकार है कि वह किस पार्टी में रहना पसंद करता है। अपने एक दिवसीय भरतपुर दौरे पर आए देवनानी ने आज यहां मीडिया के साथ बातचीत करते बताया कि मालवीय ने अपना त्याग पत्र मेरे पास भिजवा दिया है जिसे उन्होंने अभी स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि अब जब भी कोई भी विधायक अपने पद से इस्तीफा देगा तो उसे विधानसभा अध्यक्ष से व्यक्तिगत रूप से मिलकर इस बात की सन्तुष्टि करानी होगी वह अपनी स्वेच्छा से इस्तीफा दे रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में इस तरह के प्रकरणों में अलग प्रक्रिया अपनाई जाती थी। देवनानी के धर्मांतरण को लेकर कानून बनाये जाने की भी आवश्यकता बताई और कहा कि राज्य सरकार इस विषय की गंभीरता को देखते हुए जल्द से जल्द ऐसा कोई कानून लाए जिससे ऐसे मामले रिपीट न हों।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को यहां विधानसभा में राज्यसभा के लिए नवनिर्वाचित सांसद चुन्नी लाल गरासिया और मदन राठौड को बधाई व शुभकानाएं देते हुए।

भाजपा के दो उम्मीदवार व सोनिया गांधी राज्यसभा के लिए निर्वाचित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी व भारतीय जनता पार्टी के चुन्नी लाल गरासिया तथा मदन राठौड़ मंगलवार को राजस्थान से राज्यसभा के लिए निर्वाचित घोषित किए गए। विधानसभा के प्रमुख सचिव एवं राज्यसभा के निर्वाचन अधिकारी महावीर प्रसाद शर्मा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राजस्थान से राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव-2024 के लिए तीन सीटों पर तीनों प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। शर्मा ने कांग्रेस उम्मीदवार सोनिया गांधी तथा भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार चुन्नी लाल गरासिया तथा मदन राठौड़ को निर्वाचित घोषित किया।

उल्लेखनीय है राज्यसभा चुनाव 2024 के लिए राज्य में तीन सीटों के चुनाव होना था और तीन उम्मीदवारों ने ही नामांकन पत्र प्रस्तुत किए। चुनाव में मंगलवार को नाम वापसी की अंतिम तारीख थी। किसी प्रत्याशी द्वारा नाम वापस नहीं लिए जाने पर तीनों उम्मीदवारों को निर्वाचित घोषित किया गया। कार्यक्रम के अनुसार आवश्यक होने पर मतदान 27 फरवरी को होना था। राजस्थान से राज्यसभा सदस्य डॉ. मनमोहन सिंह (कांग्रेस) और भूपेन्द्र सिंह (भाजपा) का कार्यकाल तीन अप्रैल को समाप्त हो रहा है। एक रिक्त सीट पर चुनाव हुआ है क्योंकि भाजपा के राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा ने विधायक चुने जाने के बाद दिसंबर में सांसद पद से इस्तीफा दे दिया था। राजस्थान में राज्यसभा की 10 सीटें हैं।

कैदियों के हमले में हेड कांस्टेबल घायल, एक कैदी की मौत

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान की अजमेर जेल में दो कैदियों के कथित हमले में एक हेड कांस्टेबल घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि कथित रूप से हमला करने वाले एक कैदी की भी घटना में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कैदी श्रवण और फरदीन ने हेड कांस्टेबल रहेश पर लोहे की रॉड और ब्लेड से हमला कर दिया जिसमें पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, अन्य सुरक्षा कर्मचारियों ने घटना स्थल पर पहुंच कर उन्हें अलग किया। इस दौरान श्रवण भी घायल हो गया।

उन्होंने बताया कि घायल पुलिसकर्मी को जिला अस्पताल ले जाया गया और कुछ देर बाद श्रवण को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई।

उप्र की छवि बदली, अब विकसित भारत का विकसित उत्तर प्रदेश : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि छह-सात वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अपनी छवि को बदला है और आज यह नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है, विकसित भारत का विकसित उत्तर प्रदेश है। मुख्यमंत्री मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम 'यूपी-इमर्जिंग डेस्टिनेशन फॉर फॉरेन इन्वेस्टमेंट इन इंडिया' को संबोधित कर रहे थे।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि ''सात वर्ष पहले उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य हुआ करता था। उत्तर प्रदेश देश के विकास में बाधक माना जाता था, लेकिन आज उत्तर प्रदेश ने खुद को बीमारू राज्य की श्रेणी से उबारकर देश के 'अनलिमिटेड पोटेंशियल स्टेट' के रूप में स्थापित किया है। योगी ने कहा कि ''हमारे पास प्रकृति भी है, परमात्मा भी है और प्रतिभा से भरपूर युवा भी हैं और इस त्रिवेणी के माध्यम से हम उप्र को आगे बढ़ा रहे हैं। सात वर्षों में उप्र की अर्थव्यवस्था तथा प्रति व्यक्ति आय दोगुना करने में सफलता प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उप्र को बीमारू राज्य से उबारने में हमें सफलता प्राप्त हुई तो इसके पीछे प्रधानमंत्री का विजन था, जिसे हमने मिशन के रूप में लेकर प्रभावी ढंग से अलग-अलग सेक्टर की नीतियां बनाई और कानून व्यवस्था की बेहतरीन स्थिति देकर माहौल बदला।

योगी ने कहा, वर्ष 2000 से लेकर 2017 (17 वर्ष) के बीच जितना एफडीआई आया था, 2019 से 2023 के बीच में उसका चार गुना एफडीआई प्रदेश में आया है। वजह स्पष्ट करते हुए योगी ने कहा कि ''जब सुरक्षा का माहौल, सरकार की स्पष्ट नीति व नीयत साफ होती है तो निवेशक सुरक्षित वातावरण में निवेश का इच्छुक होता है और यह वातावरण आज यूपी में दिख रहा है।

योगी ने उप्र का कायाकल्प कर दिया : गोयल

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सात-आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश की पूरी तस्वीर को ही बदल दिया।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने मंगलवार को यहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश-निवेश प्रदेश के तहत मेन हैंगर में आयोजित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश सम्मेलन 'यूपी-इमर्जिंग डेस्टिनेशन फॉर फॉरेन इन्वेस्टमेंट इन इंडिया' को संबोधित किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार गोयल ने कहा, योगी आदित्यनाथ ने इन सात-आठ वर्षों में उप्र का कायाकल्प किया है, लेकिन यह एक वर्ष उपलब्धियों भरा रहा है। यह उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण वर्ष होगा। उन्होंने कहा, आज पूरा विश्व उत्तर प्रदेश और लखनऊ के बारे में बातचीत कर रहा है। उत्तर प्रदेश ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में तेज गति से बदलाव का आनंद लिया है। उत्तर प्रदेश अब रुकने और थमने वाला नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोई भी निवेशक जब निवेश करने का निर्णय लेता है तो उसके सामने सबसे बड़ी शर्त विश्वास होती है और यह तभी आता है जब निवेशक को नेतृत्व, व्यवस्था और भविष्य पर विश्वास हो। उन्होंने दावा किया, उत्तर प्रदेश में सुशासन देखने को मिलता है। गरीब कल्याण, नए अवसंरचनाएं को विकसित करने में केंद्र और राज्य सरकार डबल इंजन बनकर तेज गति से काम कर रही है। अब उत्तर प्रदेश रुकने और थमने वाला नहीं है। आने वाले दिनों में विश्व भर में भारत व यूपी की प्रसिद्धि हो रही है। गोयल ने कहा कि भारत विश्व की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाएगा।

पोंजी घोटाला मामला : कोलकाता में दो जगहों पर सीबीआई की छापेमारी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) 2021 के पोंजी घोटाला मामले में कोलकाता में दो परिसरों में छापेमारी कर रही है। इनमें से एक अमल भट्टाचार्य का और दूसरा उनकी कंपनी यूनिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड का है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने दिसंबर 2022 में भट्टाचार्य और उनकी कंपनी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था और मामले में बड़ी साजिश के अन्वेषण के लिए जांच खुली रखी थी। उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह शुरू हुई छापेमारी मामले में सीबीआई की आगे की जांच का हिस्सा है। कंपनी के खिलाफ जांच तब शुरू हुई जब उसके एजेंट एक उप मजिस्ट्रेट के पास पहुंचे और दावा किया कि उन्हें पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले में जमीन के कुछ भूखंड बेचने के नाम पर लोगों से पैसे जुटाने का काम सौंपा गया है। एजेंटों ने आरोप लगाया कि कंपनी भारतीय रिजर्व बैंक या सरकार से किसी भी प्राधिकार के बिना एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी की तरह काम कर रही है। इसके बाद उप मजिस्ट्रेट ने पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया।

90 प्रतिशत जलमार्ग विकास परियोजनाएं हुई पूरी : सर्बानंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को दावा किया कि पिछले 10 वर्ष में जलमार्गों के विकास के लिए शुरू की गई 90 प्रतिशत परियोजनाएं पूरी हो गई हैं।

बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्री ने युवाओं से उन्नत जलमार्गों की संभावनाओं का लाभ उठाने का अनुरोध किया विशेषकर माल की सस्ती ढुलाई के लिए और नौवहन संबंधी अवसरों का लाभ करियर बनाने के लिए करने के मामले में। यहां भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की 284 करोड़ रुपए की परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सोनोवाल ने कहा, समयबद्धता व गुणवत्ता क्रियान्वयन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राज में सुशासन की निशानी है। मंत्री ने कहा, मुझे खुशी है कि मोदी जी के पिछले 10 सालों के शासन काल में जलमार्ग विकास के लिए शुरू की गई 90 प्रतिशत परियोजनाएं उनके कार्यकाल में ही पूरी हो गई हैं। बाकी एक-दो परियोजनाएं इस साल के अंत तक पूरी हो जाएंगी। सोनोवाल ने कहा कि मोदी सरकार के तहत जलमार्गों की संभावनाओं को फिर से पता लगाया जा रहा है। उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर इस क्षेत्र की संभावना को तलाशने एवं उनका उपयोग करने विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जलमार्गों में सुधार करने तथा यात्री एवं माल ढुलाई के वास्ते उसका उपयोग बढ़ाने के लिए पुराने कानूनों को संशोधित किया जा रहा है तथा नए कानून बनाए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने बिहार में तीन शैक्षणिक संस्थानों की नई इमारतों का उद्घाटन किया

पटना/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को आनलाइन माध्यम से बिहार के तीन शैक्षणिक संस्थानों के नए भवनों का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने आईआईटी, पटना के 24 नए शैक्षणिक एवं आवासीय भवनों को राष्ट्र को समर्पित किया, जिनका निर्माण द्वितीय चरण में करीब 466 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। इन सुविधाओं में एक केंद्रीय पुस्तकालय, सभागार, केंद्रीय व्याख्यान कक्ष और शैक्षणिक भवन, छात्र गतिविधि केंद्र, छात्रावास और शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए आवासीय क्वार्टर शामिल हैं। इससे पहले आईआईटी पटना के कैंपस का उद्घाटन खुद प्रधानमंत्री ने 25 जुलाई 2015 को किया था।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा और कई अन्य मंत्री बिहार विधानसभा के विस्तारित भवन से वस्तुतः समारोह में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), बोधगया के नवनिर्मित स्थायी परिसर का भी उद्घाटन किया। 2015 में स्थापित यह संस्थान अब तक बोधगया में एक अस्थायी परिसर से काम कर रहा है। मंगलवार को यहां मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), भागलपुर की नवनिर्मित इमारतों को भी राष्ट्र को समर्पित किया।

कांग्रेस की राजनीति हिंदुओं के लिए नहीं : हिमंत विश्व शर्मा का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कांग्रेस की आलोचना करते हुए दावा किया कि उसकी राजनीति हिंदुओं के लिए नहीं है। शर्मा लोस चुनाव से पहले भाजपा की विजय संकल्प यात्रा की शुरुआत के सिलसिले में तेलंगाना के निर्मल जिले के भैंसा में सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सवाल किया कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे सहित कांग्रेस के शीर्ष नेता, आमंत्रित किए जाने के बावजूद अयोध्या में राम मंदिर कार्यक्रम में क्यों शामिल नहीं हुए। उन्होंने दावा किया कि वह आयोजन राजनीतिक नहीं था। उन्होंने कांग्रेस पार्टी से सवाल किया, आप क्यों नहीं गए? क्या आपको हिंदुओं से प्रेम नहीं है? क्या आप हमेशा 'रजाकारों' और बाबर के साथ रहेंगे।

शर्मा ने कहा कि देश 'रजाकारों' और बाबर के साथ खड़ा नहीं होगा। उन्होंने इतिहास की ओर इशारा करते हुए यह स्पष्ट नहीं किया कि वह वर्तमान में किसका जिक्र कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव में 30 सीट भी नहीं जीत पाएगी।

अश्विनी वैष्णव और बीजद के दो नेता राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं बीजू जनता दल (बीजद) के देबाशीष सामंतराय और सुभाशीष खुंटिया मंगलवार को ओडिशा से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए। निर्वाचन अधिकारी अबनिकांता पटनायक ने आज दोपहर नामांकन वापस लेने की समयसीमा बीत जाने के बाद निर्वाचित व्यक्तियों के नामों की घोषणा की।

भाजपा प्रत्याशी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ओड़िशा के सत्तारूढ़ दल बीजद के समर्थन से राज्यसभा के लिए फिर से निर्वाचित हुए हैं। वैष्णव ने नामांकन दर्ज करने के आखिरी दिन 15 फरवरी को अपना पर्चा जमा किया था जबकि दो बीजद प्रत्याशियों ने 13 फरवरी को नामांकन पत्र भरा था। वैसे तो बीजद के पास इस साल अप्रैल में (ओडिशा से) खाली हो रही सभी तीन राज्यसभा सीट जीतने के लिए पर्याप्त संख्या बल था लेकिन उसने भाजपा के उम्मीदवार वैष्णव के लिए एक सीट छोड़ते हुए केवल दो प्रत्याशियों को ही चुनाव मैदान में उतारने का मन बनाया। नवीन पटनायक की अगुवाई वाले बीजद ने 'राज्य के रेलवे एवं दूरसंचार विकास के व्यापक हित में' वैष्णव का समर्थन करने का एलान किया था। 2019 में भी पटनायक ने वैष्णव का समर्थन किया था जब वह पहली बार राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चूंकि इन्हीं तीनों उम्मीदवारों ने ही खाली हो रही तीन सीट के लिए अपना नामांकन पत्र भरा था इसलिए चुनाव की जरूरत ही नहीं पड़ी। तीन राज्यसभा सदस्यों-- वैष्णव तथा बीजद के प्रशांत नंदा और अमर पटनायक का कार्यकाल इस साल अप्रैल में पूरा हो जाएगा। यह चुनाव प्रक्रिया इन्हीं रिक्तियों को भरने के लिए की गई।

संदेशखालि में स्थिति भयावह होने के साथ-साथ पूरी तरह अराजक : शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद मंगलवार को दोपहर बाद पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि पहुंचे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने संघर्षग्रस्त क्षेत्र की स्थिति को ''भयानक'' तथा ''अराजकता का स्पष्ट उदाहरण'' बताया।

एक अन्य विधायक शंकर घोष के साथ पहुंचे अधिकारी ने महिलाओं सहित स्थानीय लोगों से बात की। महिलाओं ने फरार चल रहे शाहजहां शेख सहित तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के स्थानीय नेताओं द्वारा दिए गए अपने दर्दनाक अनुभवों को साझा किया। भाजपा नेता नाव से कालिंदी नदी पार कर संदेशखालि पहुंचे, जहां महिलाओं सहित स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया।

उन्होंने कहा, स्थानीय लोगों द्वारा साझा किए गए अनुभव बेहद दर्दनाक हैं। उनकी जमीनें हड़प ली गईं और महिलाओं का शोषण किया गया। सब कुछ पुलिस और प्रशासन की मदद से हुआ। स्थिति पूरी तरह से भयावह है और इलाके में अराजकता का स्पष्ट उदाहरण है। अधिकारी ने संदेशखालि में घरों का दौरा करने के साथ ही स्थानीय लोगों से बात की। वह 2007-08 में नंदीग्राम में भूमि अधिग्रहण-विरोधी आंदोलन के दिनों में तत्कालीन विपक्षी नेता ममता बनर्जी के करीबी विश्वासपात्र थे। अधिकारी 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो गए थे। पुलिस ने इससे पहले दिन में विपक्षी नेता ने निषेधाज्ञा लागू होने के आधार पर अधिकारी को संकटग्रस्त क्षेत्र में जाने से रोक दिया था।

शुभेंदु को संदेशखालि जाने की अनुमति

शाहजहां की गिरफ्तारी न होने पर अदालत ने जतायी हैरानी

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने प. बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को संकटग्रस्त संदेशखालि गांव का दौरा करने की अनुमति दे दी लेकिन इस पर आश्चर्य जताया कि मुख्य आरोपी शाहजहां शेख को अब तक राज्य पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया। मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवगणनम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने एकल पीठ के आदेश में हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया जिसने अधिकारी व भाजपा के अन्य विधायक शंकर घोष को उत्तर 24 परगना जिले के संदेखालि ब्लॉक दो के पंचायती गांव संदेशखालि जाने की अनुमति दी थी।

कोलकाता से लगभग 100 किलोमीटर दूर सुंदरवन की सीमा पर नदी के किनारे स्थित संदेशखालि क्षेत्र में सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कुछ नेताओं द्वारा महिलाओं पर यौन अत्याचार और भूमि हड़पने के आरोपों पर विरोध प्रदर्शन हो रहा है। खंडपीठ ने कहा,''यह काफी आश्चर्य की बात है कि जिस व्यक्ति को इस समस्या का मूल कारण बताया जा रहा है उसे अभी भी पकड़ा नहीं जा सका है और वह कानून तोड़कर भागा हुआ है।

उच्चतम न्यायालय ने लोकतंत्र को ''निरंकुश भाजपा'' के जबड़े से बचाया : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने चंडीगढ़ महापौर चुनाव परिणाम को उच्चतम न्यायालय द्वारा पलटे जाने के बाद मंगलवार को कहा कि देश की सबसे बड़ी अदालत ने लोकतंत्र को ''निरंकुश भारतीय जनता पार्टी'' के जबड़े से बचाया है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने चुनाव में धांधली के मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि निर्वाचन अधिकारी अनिल मसीह तो सिर्फ एक मोहरा थे।

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को चंडीगढ़ महापौर चुनाव के परिणाम को पलटते हुए आम आदमी पार्टी (आप) -कांग्रेस गठबंधन के पराजित उम्मीदवार कुलदीप कुमार को शहर का नया महापौर घोषित किया। न्यायालय ने 30 जनवरी के चुनाव के संचालन में गंभीर खामियां पाए जाने के बाद, निर्वाचन अधिकारी अनिल मसीह के खिलाफ कदाचार के लिए मुकदमा चलाने का भी आदेश दिया। मसीह भाजपा नेता हैं। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, उच्चतम न्यायालय ने लोकतंत्र को निरंकुश भाजपा के जबड़े से बचाया है। भाजपा चुनावी हेरफेर का सहारा लेती है। चंडीगढ़ महापौर चुनाव में संस्थागत रूप से नुकसान पहुंचाने का प्रयास मोदी-शाह की लोकतंत्र को कुचलने की कुटिल साजिश का एक छोटा सा हिस्सा मात्र है। उन्होंने दावा किया, सभी भारतीय नागरिकों को हमारे संविधान पर इस हमले का सामूहिक रूप से मुकाबला करना चाहिए।

कमलनाथ के पाला बदलने की अटकलें मीडिया और भाजपा की देन : जितेंद्र

भोपाल/भाषा। कांग्रेस महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलों में कोई सच्चाई नहीं है और दावा किया कि ऐसी चर्चा मीडिया और भाजपा की देन है।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के अगले कदम पर रहस्य और राज्य कांग्रेस के भीतर बढ़ते तनाव की पृष्ठभूमि में मध्यप्रदेश के कांग्रेस प्रभारी सिंह मंगलवार को भोपाल पहुंचे। कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ के भविष्य के कदमों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं, हालांकि उनके सहयोगियों ने सोमवार को बार-बार आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी छोड़ने और सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल होने की कोई योजना नहीं है।

कमलनाथ के अगले राजनीतिक कदम की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने संवाददाताओं से कहा, ये सभी बातें मीडिया और भाजपा द्वारा उठाई गई हैं। इसमें कोई सच्चाई नहीं है।

भगवंत मान किसानों के वकील के रूप में काम कर रहे थे, इसलिए वार्ता विफल हुई : सुनील जाखड़

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की इकाई के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने मंगलवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने किसानों की समस्याओं के हल को लेकर किसान नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों के साझे प्रयासों को जोखिम में डाल दिया है। जाखड़ की यह टिप्पणी किसानों के केंद्र सरकार के प्रस्ताव को मानने से इनकार करने और 'दिल्ली चलो' आंदोलन को जारी रखने की घोषणा के एक दिन बाद आई है।

किसानों ने पांच साल के लिए एमएसपी पर सरकारी एजेंसियों के माध्यम से दलहन, मक्का और कपास की फसल खरीदने के केंद्र के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। राज्य में आप सरकार का नेतृत्व करने वाले भगवंत मान तीन केंद्रीय मंत्रियों और किसान नेताओं के बीच बैठक में शामिल हुए थे, जहां यह प्रस्ताव रखा था। जाखड़ ने कहा कि यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है कि किसानों और केंद्र सरकार के बीच बातचीत सफल नहीं हुई है, जबकि हजारों किसान एमएसपी और कृषि ऋण माफी के लिए कानूनी गारंटी सहित अपनी मांगों को लेकर पंजाब-हरियाणा सीमा पर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने पोस्ट में कहा कि भगवंत मान के किसानों के वकील के रूप में काम करने से इन वार्ताओं का विफल होना तय था।

सपा ने घोषित किए 5 और उम्मीदवारों के नाम, धर्मेंद्र की जगह शिवपाल को बनाया प्रत्याशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश की पांच और लोकसभा सीटों के अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी। पार्टी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल सिंह यादव को बदायूं सीट से उम्मीदवार बनाया है।

सपा प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि पार्टी ने पांच और सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। शिवपाल सिंह यादव को पूर्व में घोषित धर्मेंद्र यादव के स्थान पर बदायूं से टिकट दिया गया है। शिवपाल इस वक्त जसवंतनगर सीट से सपा के विधायक हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी ने कैराना सीट से विधायक नाहिद हसन की बहन इकरा हसन को कैराना लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा बरेली से प्रवीण सिंह ऐरन, हमीरपुर से अजेंद्र सिंह राजपूत और वाराणसी से सुरेंद्र सिंह पटेल को प्रत्याशी बनाया गया है।

चौधरी ने बताया कि पार्टी अब तक 31 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। सपा ने इससे पहले 30 जनवरी को उत्तर प्रदेश की 16 लोकसभा सीटों पर और 19 फरवरी को 11 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित किए थे। पहली सूची में बदायूं सीट पर घोषित उम्मीदवार धर्मेंद्र यादव को बदलकर अब शिवपाल यादव को उम्मीदवार बनाया गया है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने पूर्व में आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव लड़ चुके धर्मेंद्र यादव को इसी सीट का प्रभारी बनाया है। इसके अलावा महबूब अली को अमरोहा लोकसभा क्षेत्र का, राम औतार सैनी को कन्नौज और मनोज चौधरी को बागपत लोकसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया है।

दिल्ली प्रीमियर लीग में फिक्सिंग के आरोपों की जांच करेगा एआईएफएफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) दिल्ली प्रीमियर लीग में सट्टेबाजी और मैच फिक्सिंग के आरोपों के सामने आने के बाद इस खतरे की तह तक पहुंचने के लिए सरकारी एजेंसियों की मदद से देश के विभिन्न शहरों में जांच शुरू करेगा।

दिल्ली लीग में मैच फिक्सिंग और सट्टेबाजी का संदेह सोमवार को तब पैदा हुआ जब अहबाब एफसी ने रेंजर्स एफसी के खिलाफ मैच के आखिरी क्षणों में दो आत्मघाती गोल किए। अहबाब एफसी पहले इस मैच को 4-0 जीत रहा था लेकिन आखिर में उसने 4-2 से जीत दर्ज की।

इन दोनों आत्मघाती गोल के वीडियो 'वायरल' हो गए इसके बाद एआईएफएफ ने मंगलवार को इस संदेहास्पद मैच की विस्तृत जानकारी देने के लिए फुटबॉल दिल्ली के प्रमुख अनुज गुप्ता को तलब किया और उन्हें नोटिस भी सौंपा। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि वह जांच शुरू करने और सट्टेबाजी सिंडिकेट की तह तक जाने के लिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से संपर्क करेंगे।

पंत आईपीएल में वापसी को तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कर्नाटक के अलूर में अपनी फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स द्वारा आयोजित अभ्यास मैच में हिस्सा लेने के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में वापसी की राह पर हैं। पंत दिसंबर 2022 में भीषण कार दुर्घटना गंभीर रूप से चोटिल हुए थे। इसके कारण उन्हें लिगामेंट की सर्जरी करानी पड़ी थी।

वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने की प्रक्रिया) कर रहे हैं और मार्च के आखिरी सप्ताह के आस-पास शुरू होने वाले आईपीएल की शुरुआत से पहले मैच फिटनेस हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इस वामहस्त बल्लेबाज ने पिछले साल भी एक प्रदर्शनी मैच में भाग लिया था। एनसीए के एक सूत्र ने बेंगलूरु के पास अलूर में 'इंट्रा-स्क्वाड' मैच का जिक्र करते हुए कहा, मैच मूल रूप से उनकी शारीरिक फिटनेस के आकलन के लिए था। वह कुछ समय से नेट सत्र में बल्लेबाजी कर रहे थे और अभ्यास मैच में खेलना इसके अगले चरण की तरह है।

इससे पहले इस महीने की शुरुआत में दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा था कि पंत आईपीएल के आगामी सत्र में वापसी करने को लेकर आश्वस्त हैं।

सुविचार

कोई टूटे तो उसे सजाना सीखो, कोई रूठे तो उसे मनाना सीखो, रिश्ते तो मिलते हैं मुक़द्दर से, बस उन्हें ख़ूबसूरती से निभाना सीखो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उद्यमिता को बढ़ावा दें

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कोचिंग कक्षाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं और नौकरी के अवसरों के बारे में जो बयान दिया, उससे सहमत या असहमत हो सकते हैं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि आज विद्यार्थियों को सरकारी पद पाने से इतर अन्य अवसरों की तलाश करने के बारे में भी जरूर सोचना चाहिए। किसी देश की प्रगति और खुशहाली में विभिन्न पेशों से जुड़े लोगों की महत्त्वपूर्ण भागीदारी होती है। मजदूर, किसान, शिक्षक, सैनिक, चिकित्सक, सरकारी कर्मचारी ... हर कोई अपने-अपने स्तर पर योगदान देता है। इनके महत्त्व को समाज द्वारा स्वीकारा जाता है। आजादी के बाद भारत में उद्यमिता को बढ़ावा देने के पर्याप्त प्रयास नहीं हुए, बल्कि शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य नौकरी हासिल करना रह गया। नौकरी भी सरकारी होनी चाहिए! निस्संदेह सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों का देश के विकास में बड़ा योगदान है, लेकिन हमें उद्यमिता को भी बढ़ावा देना होगा। हर व्यक्ति को सरकारी नौकरी देना संभव नहीं है। आज भारत की जनसंख्या जिस आंकड़े तक पहुंच गई है, वहां सरकार कितने लोगों के लिए सरकारी नौकरी के अवसरों का सृजन कर सकती है? वहीं, दूसरी ओर इस जनसंख्या के साथ उद्यमिता से संबंधित अपार संभावनाएं जुड़ी हुई हैं। विदेशी कंपनियां हमारे बाजारों से मोटा मुनाफा कमाकर ले जाती हैं। विदेशों में स्थित कई उद्योग भारतीय ग्राहकों की वजह से चल रहे हैं। क्या हम अपनी इस शक्ति व सामर्थ्य का बेहतर ढंग से उपयोग नहीं कर सकते?

भारत में आजादी के बाद बनीं कई फिल्मों में कारोबारी वर्ग का गलत चित्रण किया गया। लोगों के दिलो-दिमाग में यह बात बैठाने की पुरजोर कोशिश की गई कि 'पढ़ाई-लिखाई के बाद सरकारी नौकरी ढूंढ़नी चाहिए' ... 'जो व्यक्ति किसी भी तरह सरकारी नौकरी पा जाए, वही सफल है' ... 'स्वरोजगार करना, दुकान खोलना, अपने पिता के व्यवसाय में हाथ बंटाना ... जैसे काम प्रतिभाशाली लोगों के लिए नहीं हैं!' इसका नतीजा यह हुआ कि भारत में अपार संभावनाएं होने के बावजूद उनका ठीक तरह से उपयोग नहीं किया गया। अमेरिका, जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया ... जैसे देशों में उद्यमिता पर बहुत जोर दिया गया। ये देश जनसंख्या की तुलना में भारत के आस-पास भी नहीं हैं। इन्होंने नवाचार को बढ़ावा दिया, कोरे किताबी ज्ञान के बजाय प्रयोगों को प्रोत्साहन दिया। अमेरिका में स्कूली बच्चा ऐसे लोगों के बारे में पढ़ता-सुनता बड़ा होता है, जिन्होंने उद्यमिता का रास्ता अपनाते हुए कई कीर्तिमान रचे हैं। स्वाभाविक रूप से बच्चों के मन में वैसा बनने के सपने आकार लेने लगते हैं। बच्चों को नया सोचने और नया काम करने के लिए अनुकूल वातावरण दिया जाता है। उन्हें समय-समय पर ऐसे उद्यमियों से मिलने के मौके उपलब्ध कराए जाते हैं, जो अपने प्रयोगों के लिए चर्चा में रहते हैं। अगर कोई बच्चा ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में अनूठा काम करता है तो उसका पेटेंट दिलाने में मदद की जाती है। ये ही बच्चे भविष्य में उद्योग जगत के बड़े सितारे बनकर चमकते हैं। अगर वैसा वातावरण और प्रोत्साहन भारतीय विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया जाए तो यहां भी बड़े-बड़े काम हो सकते हैं। पिछले दिनों राजस्थान में कोटा जिले के एक स्कूली बच्चे द्वारा बनाया गया रोबोट बहुत चर्चा में था, जो किसानों के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकता है। ऐसे बच्चे हर जिले में मौजूद हैं। बस, जरूरत है तो उन्हें अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने की और प्रोत्साहन देने की। इसके बाद वे अपने रास्ते खुद बना लेंगे।

अमेरिका में स्कूली बच्चा ऐसे लोगों के बारे में पढ़ता-सुनता बड़ा होता है, जिन्होंने उद्यमिता का रास्ता अपनाते हुए कई कीर्तिमान रचे हैं। स्वाभाविक रूप से बच्चों के मन में वैसा बनने के सपने आकार लेने लगते हैं।

ट्वीटर टॉक

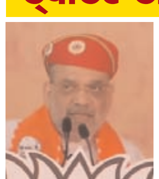

अभी दो दिन पहले ही राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रधानमंत्री मोदी जी ने आह्वान किया है और दो नारे दिए गए हैं... अबकी बार 400 पार, एक बार फिर से मोदी सरकार। इसलिए इस बार भी राजस्थान में सभी की सभी सीटों पर विजयी होना है और फिर एक बार हैट्रिक लगानी है।

-अमित शाह

जम्मू-कश्मीर के विकास की रफ्तार माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रयासों का परिणाम है। इसी क्रम में अब जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर से संगलदान स्टेशन के बीच इलेक्ट्रिक ट्रेन का शुभारंभ होने जा रहा है।

-दीया कुमारी

भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, चिंतक एवं प्रसिद्ध अधिवक्ता शरत चन्द्र बोस जी की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन। मां भारती को परतंत्रता की बेड़ियों से मुक्त कराने में दिया गया आपका योगदान हम सभी को सदैव देश सेवा हेतु प्रेरित करता रहेगा।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

प्रेरक प्रसंग

नदी की सीख

एक बार शिक्षक ने बच्चों से पूछा, 'छात्रो, कल हम सारा दिन नदी किनारे थे तो आपको कैसा लगा?' 'नदी का पानी शीतल था' इस तरह सभी का जवाब एक-सा था। मगर एक बालक ने कहा, 'कल मैंने समझा कि नदी हमें हमेशा आगे बढ़ाना सिखाती है यानी नदी की तरह हमें हमेशा बहते ही रहना है। जिस प्रकार नदी अपना रास्ता खुद ढूंढ़ लेती है, वैसे ही हमें भी अपना रास्ता खुद ही बनाना है। रास्ते में चाहे कितनी भी रुकावटें, कितनी भी मुश्किलें क्यों न आयें, हमें रुकना नहीं है, थकना नहीं है जब तक हमें सागर रूपी सफलता न मिले। जो नदी रुक जाती है वो बस एक तालाब या सरोवर बनकर रह जाती है।' तब शिक्षक ने कहा, 'बच्चो यह जीवन एक अपार सम्भावनाओं की बहती नदी के समान है। अब यह आप पर निर्भर करता है कि आप बाल्टी लेकर खड़े हैं या एक कटोरी।

सामयिक

राजनीति के शोर में न दब जाए, संदेशखाली की आवाज!

आशीष वशिष्ठ

मोबाइल : 99 3624 7777

बीते कुछ दिनों से पश्चिम बंगाल का संदेशखाली सुर्खियों में बना हुआ है। संदेशखाली से जो खबरें छन-छनकर बाहर आ रही हैं, वो किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को व्यथित कर सकती हैं। संदेशखाली पर जितनी रपटें और विश्लेषण सामने आए हैं, उनके मद्देनजर आश्चर्य होता है कि 2011 से वहां दरिंदों' के अत्याचार, यौन उत्पीड़न और भूमि पर जबरन कब्जों के सिलसिले जारी रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री उन्हें झूठ करार दे रही हैं। जो जानकारी आई उसके आधार पर ये कहा जा सकता है कि संदेशखाली में मध्ययुगीन गुलाम प्रथा जिंदा है। संदेशखाली का पूरा मामला प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की कार्रवाई के बाद लोगों के सामने आया है। बीती 5 जनवरी, 2024 को ईडी के अधिकारियों ने राशन भ्रष्टाचार मामले में संदेशखाली के सरबेड़िया में तृणमूल नेता शेख शाहजहां से पूछताछ करने पहुंचे हुए थे। तृणमूल के गुंड़ों की मदद से न सिर्फ नेता शाहजहां शेख फरार हो जाने में कामयाब रहा, बल्कि इस दौरान सरकारी अधिकारियों पर भी हमले भी किए गए थे। इसके बाद से ही स्थानीय लोगों ने अपनी आवाज तेज कर दी और खुलकर सामने आ गए। जो कुछ भी उनके द्वारा बताया गया, वह 21वीं सदी में अकल्पनीय है।

शाहजहां शेख और उसके गुर्गे महिलाओं को अपनी निजी संपत्ति मानकर उठा ले जाते रहे और तृणमूल कार्यालय में रखकर उनका यौन शोषण कर छोड़ देते थे। विवाहित महिला के पति को भी ये कहा जाता कि उसकी पत्नी पर पहला अधिकार शेख का है। किसी भी सुंदर महिला को जबरन उठाकर ले जाना और उसका यौन शोषण करना संदेशखाली में आम बात थी। जब महिलाओं से पूछा गया कि वे इस अत्याचार के विरुद्ध अब तक खामोश क्यों रहीं तो उनका उत्तर था कि शाहजहां जब ईडी के डर से फरार हुआ तब जाकर उनमें साहस आया। वह लोगों की जमीनों पर जबरन कब्जा करने और उनकी मजदूरी छीनकर आतंकित करने का काम करता रहा किंतु तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा होने की वजह से उसका हौसला बुलंद था। ईडी की छापेमारी के बाद संदेशखाली महिला सशक्तीकरण का जीवंत उदाहरण बन गया है। लेकिन महिला होने के बावजूद ममता बैनजब अभी तक अपनी पाटब के कुख्यात नेता पर लग रहे आरोपों पर ध्यान देने के बजाय ये शिगूफा छोड़ रही हैं कि संदेशखाली आरएसएस का प्रभावक्षेत्र है। महिलाओं पर उनके साथ हुए बलात्कार को साबित करने का दबाव भी बनाया जा रहा है। विवाद बढ़ने के बाद 12 फरवरी को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने संदेशखाली का दौरा किया। यहां की महिलाओं से मुलाकात के बाद राज्यपाल ने मीडिया से कहा, ''मैंने संदेशखाली की माताओं और बहनों की बातें सुनी, मुझे विश्वास नहीं हुआ कि रबिन्द्र नाथ टैगोर की धरती पर ऐसा भी हो सकता है।'' राज्यपाल के बयान से स्थिति की गंभीरता को समझा जा सकता है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की फैक्ट-फाइंडिंग टीम की रिपोर्ट से भी संदेशखाली के हालात की भयानकता उजागर हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है, गांव की महिलाओं से जुटाई गई गवाहियां परेशान करने वाली हैं, जो वहां व्यापक भय और व्यवस्थित दुव्यवहार की एक भयावह तस्वीर सामने लाती हैं।' इसके मुताबिक, पीड़िताओं ने पुलिस अधिकारियों और तृणमूल कांग्रेस के लोगों की ओर से की गई शारीरिक और यौन हिंसा की वारदातों का जिक्र किया।' इससे लगता है कि शाहजहां शेख ने संदेशखाली में अपने गुनाहों का जो साम्राज्य कायम किया था, उसमें पुलिस भी सक्रिय तौर पर शामिल थी। राष्ट्रीय महिला आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस गांव की जिस महिला ने भी अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई, उन्हें उसका खामियाजा भुगतना पड़ा।

चारों ओर से दबाव पड़ने पर दिखावे के लिए कुछ छुटभैये किस्म के तृणमूल नेताओं को पुलिस ने जरूर पकड़ा है किंतु जो लोग संदेशखाली के हालात का जायजा लेने जा रहे हैं उनको भी रोकने की करवाई पुलिस और प्रशासन द्वारा किए जाने से साफ है कि ममता सरकार को महिलाओं के मान-सम्मान से अधिक अपनी पाटब के नेताओं की चिंता है। पष्चिम बंगाल की तृणमूल सरकार ने मुस्लिम तुष्टिकरण की सारी हदें पार कर दी हैं। बंगाल में 27 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है। ममता बनजब इनके तुष्टिकरण से ही सत्ता में बनी हुई है। और इस्लामी एजेंडे को आगे बढ़ा रही है। ममता बनजब के शासनकाल में पश्चिम बंगाल में हिंदुओं को अपने धार्मिक रीति-रिवाज, पर्व-त्योहार मनाने तक की स्वतंत्रता नहीं रह गई है।

वस्तुस्थिति ये है कि वामपंथी सरकार के राज में जो गुंडे आतंक का पर्याय थे वे सभी सत्ता परिवर्तित होते ही तृणमूल कांग्रेस में आ गए। परिणामस्वरूप पश्चिमबंगाल की स्थिति आसमान से टपके खजूर पर अटके वाली होकर रह गई। पहले जो लूटपाट वामपंथी पार्टी का कैडर करता था, वही अब तृणमूल कार्यकर्ता बन चुके असामाजिक तत्व धड़ल्ले से करते हैं। चूंकि पुलिस उनके क्रियाकलापों पर रोक नहीं लगाती लिहाजा जनता भी भयग्रस्त है। संदेशखाली की घटना पहली नहीं है। बीते कुछ सालों में यह राज्य अराजकता के शिकंजे में फंस गया है। चूंकि कांग्रेस और वामपंथी पूरे तौर पर हाशिए पर आ चुके हैं इसलिए भाजपा ही पश्चिम बंगाल में विकल्प के रूप में उभर रही है। संदेशखाली की लड़ाई में भी वही पीड़ित महिलाओं के साथ खड़ी हुई है। हालांकि लोकसभा में कांग्रेस दल के नेता अधीर रंजन चैधरी ममता सरकार के विरुद्ध आवाज उठाया करते हैं किंतु जिस इंडिया गठबंधन में तृणमूल भी शामिल है उसकी ओर से संदेशखाली में हुए अत्याचार के विरुद्ध कुछ न कहा जाना चौंकाता है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी की तरफ से भी ममता बैनजब की सरकार का वैसा विरोध नहीं हुआ जैसा अपेक्षित था।

मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने विधानसभा में कहा है कि संदेशखाली में आरएसएस का अड्डा है और वही औरतों को उकसा और बरगला रहा है। यदि संघ किन्हीं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त है, तो मुख्यमंत्री और राज्य पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की? लेकिन ममता बैनजब ने इस कांड पर अब तक जिस प्रकार का गैर जिम्मेदाराना रवैया दिखाया वह शर्मनाक है। क्या यह संभव हो सकता है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जानकारी ही न हो कि उनका 'सिंडिकेट' कहां है? ममता-राज के दौरान तृणमूल के भीतर ही ऐसा सिंडिकेट बना दिया गया है, जो ज्यादातर हिंदू आबादी पर ही दरिंदगी दिखाते हैं। पुरुषों को जान से मार देने की धमकियां भी देते हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान इसी सिंडिकेट ने भाजपा के खिलाफ 273 घटनाएं की थीं। कई कार्यकर्ताओं को भी मार दिया गया था। यह गुंडई पंचायत चुनावों में सरेआम कहर ढहाती रही है। क्या एक महिला मुख्यमंत्री का शासन ऐसा भी हो सकता है कि दरिंदे खुलेआम हत्याएं और अत्याचार कर सकें? इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय का रवैया भी निराशाजनक है।

जब किसी स्थान की दर्जनों महिलाएं उन पर हुए अमानुषिक अत्याचार की जानकारी सार्वजनिक रूप से दे रही हों तब तो मुख्यमंत्री को खुद उनसे मिलकर अपराधियों को सजा दिलवाने की पहल करनी चाहिए थी। लेकिन इसके विपरीत वे इसे राजनीतिक मोड़ देकर अपनी पार्टी के साथ जुड़े समाज विरोधी तत्वों को बचाने में जुटी हुई हैं। बेहतर तो ये होता कि कांग्रेस सहित विपक्षी गठबंधन में शामिल अन्य दलों का संयुक्त प्रतिधिमंडल संदेशखाली में पीड़ित महिलाओं की बात सुनकर ममता बैनर्जी को कठघरे में खड़ा करता किंतु वोटों की राजनीति के कारण महिलाओं के अपमान पर भी अधिकतर पार्टियां मौन साधे बैठी हैं। चूंकि लोकसभा चुनाव नजदीक हैं इसलिए देखना ये होगा कि इतना गंभीर मुद्दा कहीं राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और शोर-शराबे में दबकर न रह जाए। आरोपियों का कड़ी सजा मिलनी चाहिए, जो नजीर बनें।

चिंतन

अढ़ाई हजार देशी भाषाओं के विलुप्त होने का खतरा

बाल मुकुन्द ओझा

9414441218

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 21 फरवरी को हर साल मनाया जाता है। यह दिवस देश और दुनिया में भाषाई, सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता व बहुभाषिता को प्रोत्साहन देने के साथ मातृभाषाओं से जुड़ी जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की वर्ष 2024 की थीम बहुभाषी शिक्षा अंतर-पीढ़ीगत शिक्षा का एक स्तंभ है रखा गया है। यूनेस्को के मुताबिक देश और दुनिया में 40 प्रतिशत आबादी को उस भाषा में शिक्षा प्राप्त नहीं है जिसे वे बोलते या समझते हैं। फिर भी, बहुभाषी शिक्षा में इसके महत्व की बढ़ती समझ के साथ प्रगति हो रही है, विशेषकर प्रारंभिक स्कूली शिक्षा में, और सार्वजनिक जीवन में इसके विकास के प्रति अधिक प्रतिबद्धता के साथ। आज, 250 मिलियन बच्चे और युवा अभी भी स्कूल नहीं जाते हैं और 763 मिलियन वयस्क बुनियादी साक्षरता कौशल में निपुण नहीं हैं।

मातृभाषा शिक्षा सीखने, साक्षरता और अतिरिक्त भाषाओं के अधिग्रहण का समर्थन करती है। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस प्रत्येक भाषा की गरिमा को स्वीकार करने के लिए मनाया जाता है। यह दिवस हमको इस बात का ध्यान दिलाता है कि भाषा अभिव्यक्ति का साधन मात्र नहीं है यह सांस्कृतिक सेतु भी बनाती है। यूनेस्को द्वारा दुनिया भर के विभिन्न देशों में उपयोग की जाने वाली (पढ़ी, लिखी और बोली जाने वाली) 7 हज़ार से अधिक भाषाओं की पहचान की गई है। इसी बहुभाषीवाद को मनाने के लिए 21 फरवरी का दिन चुना गया है। यूनेस्को के मुताबिक दुनियाभर में 6000 भाषाएं बोली जाती हैं। यूनेस्को अनुसार वर्तमान में कम से कम 2680 देशी भाषाओं के लुप्त होने का खतरा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में लगभग दो हज़ार भाषाएं या बोलिया बोली जाती हैं। इनमें से 42.2 करोड़ लोगों की मातृभाषा हिंदी है।

यह सही है की भाषाओँ की दृष्टि से भारत एक समृद्ध देश है। उत्तर भारत के राज्यों को छोड़कर देश में जितने भी राज्य है वहां की मातृ भाषा हिंदी नहीं है हालाँकि हिंदी को हमने राष्ट्र भाषा के रूप में स्वीकारा है। बंगाल में बंगला, असम में असमी, कर्नाटक में कन्नड़, तमिलनाडु में तमिल ,केरल में मलयालम आंध्र में तेलगु और उड़ीसा में उड़िया का बोलबाला है। कुछ अन्य राज्यों की भाषा भी वहां की स्थानीय भाषा है और वहां हिंदी नहीं बोली जाती। आजादी के बाद यदि हमने अपनी निज भाषा के विकास पर ध्यान दिया होता तो आज हिंदी सम्पूर्ण देश में सर्वत्र मातृ भाषा के रूप में अपना स्थान बना लेती। हमारी गुलाम मानसिकता का ही यह परिणाम था की हिंदी मातृ भाषा का अपना दर्जा हासिल नहीं कर पाई। क्षेत्रीय भाषाओँ से हमारा कतई विरोध नहीं है। यदि देश के नागरिक अपनी स्थानीय भाषा को मातृ भाषा के रूप में स्वीकारते है तो यह उनका जन्मसिद्ध अधिकार है। हमारा विरोध तो विदेशी भाषा से है जिसने हिंदी को आगे नहीं बढ़ने दिया। आज आवश्यकता इस बात की कि हम विश्व मातृ भाषा दिवस जरूर मनाएं लेकिन हिंदी को उसका हक अवश्य दिलाये। दक्षिण के प्रदेश अपनी निज बोली या भाषा को अपनाये इसमें किसी को आपत्ति नहीं है मगर राष्ट्रभाषा के स्थान पर अंग्रेजी को अपनाये यह हमे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं है। वे तमिल ,कनड या बंगला को अपनाये हमे खुशी होगी मगर हिंदी के स्थान पर अंग्रेजी थोपे तो यह बर्दाश्त नहीं होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है की हम देश की मातृ और जन भाषा के रूप में हिंदी को अंगीकार करे। अपनी अपनी निज भाषा के साथ हिंदी को स्वीकार कर देश को प्रगति पथ और एक सूत्र में पिरोने के लिए अपने स्वार्थ त्यागे और देश के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा का परिचय दें। अंतरराष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस की सार्थकता इसी में है कि हम अपनी क्षेत्रीय भाषाओँ की अस्मिता को स्वीकार करने के साथ हिंदी को व्यापक स्वरुप प्रदान कर देश को एक नई पहचान दें। यह देश की सबसे बड़ी सेवा होगी।

नजरिया

बच्चों के सर्वांगीण विकास में मातृभाषा की निर्णायक भूमिका

ई. प्रभात किशोर

मोबाइल :8544128428

यूनेस्को ने विश्व भर में मातृभाषा के प्रसार तथा भाषाई एवं सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में जागरूकता लाने और समझ, सहिष्णुता एवं संवाद के आधार पर एकजुटता को प्रेरित करने की दृष्टि से 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस घोषित किया है। संस्था का मानना है कि प्रारंभिक वर्षों से हीं बच्चों को प्रथम भाषा या मातृभाषा पर आधारित शिक्षा दी जानी चाहिए क्योंकि पूर्व बालपन देखभाल एवं शिक्षा हीं कोरे बालमन के सीखने की बुनियाद है।

मातृभाषा आमतौर पर वह भाषा होती है जिसे बच्चा घर पर परिवार के सदस्यों के साथ बोलता एवं समझता है। मातृभाषा में शिक्षा का तात्पर्य तब सिद्ध होता है जब एक विद्यालय अपने बच्चे की भाषा को कक्षा और स्कूल के पाठों में समावेशित करने में सफल होता है। मातृभाषा मानसिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में अहम भूमिका अदा करती है। भाषा भले ही एक-दूसरे से संवाद का जरिया हो, लेकिन मातृभाषा एक ऐसी चीज है जो हमें अपनी जड़ों और अनूठी संस्कृति से जुड़े रहने में सहायक होती है। नौनिहालों को जब मातृभाषा में पढ़ाया जाता है, तो उनके सीखने एवं ज्ञान ग्रहण करने की गति अपेक्षाकृत अधिक होती है, क्योंकि जब वे अपनी मातृभाषा के माध्यम से अपना विकास करते हैं तो साथ-साथ साक्षरता और आलोचनात्मक सोच जैसी अन्य बुनियादी कौशलों को भी आत्मसात करते हैं।

एक सशक्त मातृभाषा बच्चों को दूसरी या अतिरिक्त भाषा सीखने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करती है। जब कोई व्यक्ति मातृभाषा में निपुण होता है तो उसमें संज्ञानात्मक और बौद्धिक विकास अपेक्षाकृत तेजी से होता है। मातृभाषा में सीखने वाले बच्चे विद्यालय के वातावरण में सहज महसूस करते हैं और विषयवस्तु को बेहतर ढंग से आत्मसात करते हैं। ऐसे बच्चों को पाठ्यक्रम की बेहतर समझ होती है और जब वे आगे के वर्षों में दूसरी भाषा में स्थानांतरित होते है तो सीखे गए कौशल को उन्हें दोबारा नहीं पढ़ाना पड़ता है। माता-पिता एवं बच्चे की आपसी संवाद में बढ़ोतरी देखी जाती है क्योंकि माता-पिता विद्यालय द्वारा प्रदत गृह-कार्यों में आसानी से सहायता करते हैं। मातृभाषा को जानने से बच्चों में आत्मविश्वास एवं आत्म-सम्मान बढ़ता है।

वैश्विक स्तर पर सभी बच्चों को अपनी मातृभाषा में शिक्षा के अधिकार की गारंटी का सपना अभी कोसों दूर है। अधिकतर देशों में अधिकांश विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा से इतर भाषा में शिक्षा दी जा रही है, जो सीधे-सीधे प्रभावी ढंग से उनके सीखने एवं समझने की क्षमता से समझौता करना है। विश्व की लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या उस भाषा में शिक्षा से दूर है, जिसे वे सहजतापूर्वक बोलते एवं समझते हैं। हमारे देश में भी वैश्वीकरण के नाम पर मातृभाषा की अक्सर उपेक्षा की जाती है तथा इसे हीन भावना से देखा जाता है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली ने विद्यालयों, खासकर अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में, शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। स्थानीय स्तर पर शिक्षक भी अंग्रेजी में इतने पारंगत नहीं हैं। न तो वे आवश्यक ज्ञान को बच्चों में हस्तांतरित करने में सक्षम होते हैं और न ही शिक्षार्थी इसे सहज रूप से ग्रहण करने की स्थिति में होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बच्चों के मन-मस्तिष्क में आधे-अधूरे रटंत ज्ञान का समावेश हीं हो पाता है। जिन बच्चों की मातृभाषा विद्यालयों में शिक्षा की भाषा नहीं है, उनके विद्यालय छोड़ने या प्रारम्भिक कक्षाओं में असफल होने की संभावना अधिक होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी स्तर पर मातृभाषा के अनिवार्य उपयोग पर बल दिया है। इस नीति की कंडिका 4.11 में कहा गया है कि कम से कम कक्षा 5 तक, अच्छा हो कि कक्षा 8 तक और उससे आगे भी मातृभाषा/घर की भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा को हीं शिक्षा का माध्यम रखा जाएगा। मातृभाषा में हीं उच्च गुणवत्ता वाले पाठयपुस्तक विकसित किए जायेंगे। जिन बच्चों की घरेलू भाषा प्रचलित शिक्षा के माध्यम से भिन्न होगी, उनके साथ शिक्षकों को द्विभाषी शिक्षण सामग्री सहित द्विभाषी दृष्टिकोण का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

भारत में मातृभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक वर्ष विद्यालयों में निम्न उद्देश्यों की पूर्ति हेतु मातृभाषा दिवस मनाया जाता है – (1) हमारे देश में भाषाई विविधता में एकता के पक्ष को उजागर करना, (2) न केवल संबंधित मातृभाषा, बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं के उपयोग को भी प्रोत्साहित करना, (3) भारत में विविध संस्कृति, साहित्य, शिल्प, प्रदर्शन कला, लिपि एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति के विभिन्न अवयवों को समझना।

समग्र शिक्षा और ज्ञान को सीखने और विकसित करने हेतु मातृभाषा को एक प्रभावी उपकरण के रूप में उपयोग किया जा सकता है। सरकार को बच्चों के सीखने के कौशल को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने हेतु देश के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में मातृभाषा के प्रयोग से संबंधित प्रावधानों को सख्ती से लागू करना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रमाण पत्र

भोपाल में भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद एल.मुरुगन, माया नारोलिया और बंशीलाल गुर्जर ने मध्य प्रदेश विधानसभा पहुंचकर रिटर्निंग ऑफिसर से राज्यसभा सांसद का प्रमाण पत्र प्राप्त लेते हुए।

भारत ने गरीबी और भुखमरी से निपटने के लिए 10 लाख डॉलर का योगदान दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र। गरीबी और भूखमरी से निपटने के उद्देश्य से स्थापित किये गये एक कोष में भारत ने दस लाख अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया है। इस कोष को भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका द्वारा स्थापित किया गया है। संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजदूत रुचिरा कंबोज ने गरीबी और भूखमरी उन्मूलन कोष (आईबीएसए कोष) के लिए योगदान के रूप में सोमवार को 'संयुक्त राष्ट्र दक्षिण-दक्षिण सहयोग कार्यालय' (यूएनओएसएससी) के निदेशक दिमा अल-खतीब को 10 लाख अमेरिकी डॉलर का चेक सौंपा।

इस अवसर पर कंबोज ने कहा कि भारत की अध्यक्षता में हुये जी20 शिखर सम्मेलन में जनता का, जनता द्वारा और जनता के लिए विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया था। उन्होंने कहा, इसीलिए भारत आईबीएसए कोष का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा मानना है कि इसके जरिए 'ग्लोबल साउथ' में लाखों लोगों के जीवन पर सकारात्मक असर पड़ा है और सहयोग की भावना मजबूत हुई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि आईबीएसए (भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका) में शामिल प्रत्येक देश विकासशील देशों में परिवर्तनकारी परियोजनाओं के लिए साझेदारी और समर्थन की भावना के साथ कोष में सालाना 10 लाख डॉलर का योगदान देते हैं। इस कोष की स्थापना 2004 में की गई थी और इसका संचालन 2006 से शुरू हुआ।

अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर के विकास की राह में सबसे बड़ी बाधा थाः मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाला अनुच्छेद 370 पूर्ववर्ती राज्य के विकास की राह में सबसे बड़ी बाधा था। मोदी ने यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त करने के बाद जम्मू-कश्मीर ने सभी इलाकों और सभी क्षेत्रों में संतुलित विकास देखा है जो अब एक केंद्रशासित प्रदेश है। जम्मू-कश्मीर के लिए 32,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं और देश के अन्य हिस्सों के लिए 13,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि सरकार पहली बार जम्मू-कश्मीर में लोगों के दरवाजे पर पहुंची है। उन्होंने कहा, यह मोदी का गारंटी है और यह जारी रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर में सर्वांगीण विकास लाने में मुख्य बाधा था जिसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने निरस्त कर दिया। मोदी ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को 'परिवारवाद' की राजनीति से मुक्ति मिल रही है और यह पूर्ववर्ती प्रदेश आज विकसित होने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, एक वो दिन भी थे, जब जम्मू-कश्मीर से सिर्फ निराशा की खबरें आती थीं। बम, बंदूक, अपहरण, अलगाव... ऐसी ही बातें जम्मू-कश्मीर का दुर्भाग्य बना दी गई थीं। लेकिन आज जम्मू-कश्मीर विकसित होने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर बहुत दशकों तक परिवारवाद की राजनीति का शिकार रहा है और परिवारवाद की राजनीति करने वालों ने हमेशा सिर्फ अपना स्वार्थ देखा, जनता के हितों की चिंता नहीं की। उन्होंने कहा, परिवारवाद की राजनीति का सबसे ज्यादा अगर कोई नुकसान उठाता है, तो हमारे युवा उठाते हैं। जो सरकारें सिर्फ एक परिवार को आगे बढ़ाने में जुटी रहती हैं, वो सरकारें अपने राज्य के दूसरे युवाओं का भविष्य ताक पर रख देती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी परिवारवादी सरकारें युवाओं के लिए योजनाएं बनाने पर भी प्राथमिकता नहीं देती। उन्होंने कहा, सिर्फ अपने परिवार के बारे में सोचने वाले लोग कभी आपके परिवार की चिंता नहीं करेंगे। मुझे खुशी है कि जम्मू-कश्मीर को इस परिवार राजनीति से मुक्ति मिल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने 'विकसित जम्मू-कश्मीर' का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा, विकसित भारत का मतलब है विकसित जम्मू-कश्मीर्। उन्होंने कहा, मुझे आप पर विश्वास है कि हम विकसित जम्मू-कश्मीर बनाकर रहेंगे। 70-70 साल से अधूरे आपके सपने आने वाले कुछ ही वर्षों में मोदी पूरे करके देगा।

जम्मू-कश्मीर में जी20 के सफल आयोजन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जब यहां ऐसे आयोजन होते हैं तो इसकी गूंज बहुत दूर तक पहुंचती है। उन्होंने कहा, पूरी दुनिया, जम्मू-कश्मीर की सुंदरता, यहां की परंपरा-संस्कृति और आप सभी के स्वागत से बहुत प्रभावित हुई है। आज हर कोई जम्मू-कश्मीर आने के लिए तत्पर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के संविधान में जिस सामाजिक न्याय का भरोसा दिया गया है, वह भरोसा पहली बार जम्मू-कश्मीर के सामान्य जन को भी मिला है। उन्होंने कहा, हमारे शरणार्थी परिवार हों, वाल्मिकी समुदाय हो, सफाई कर्मचारी हों, उनको लोकतांत्रिक हक मिला है। अब जम्मू-कश्मीर का कोई भी इलाका पीछे नहीं रहेगा, सब मिलकर आगे बढ़ेंगे। यहां जो लोग दशकों तक अभाव में जी रहे थे, उन्हें भी आज सरकार के होने का एहसास हुआ है।

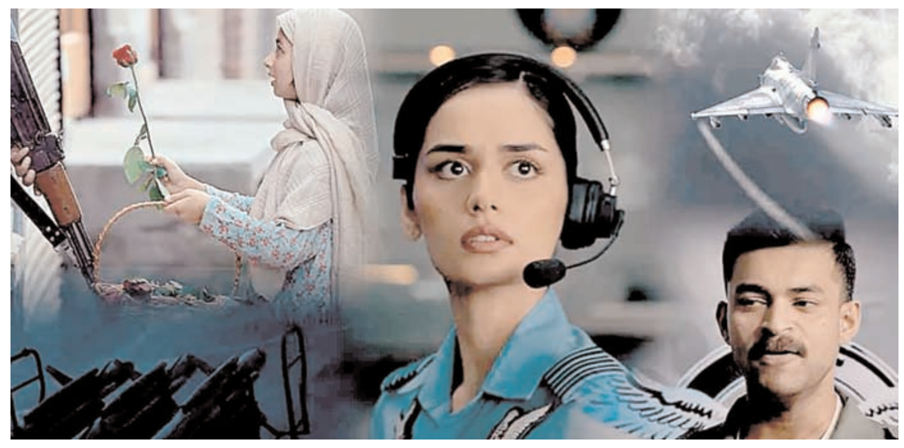

सलमान खान-राम चरण ने लॉन्च किया फिल्म 'ऑपरेशन वेलेंटाइन' का ट्रेलर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान और दक्षिण भारतीय अभिनेता राम चरण ने वरुण तेज-मानुषी छिल्लर की फिल्म ऑपरेशन वेलेंटाइन' का ट्रेलर लांच किया। वरुण तेज की एरियल एक्शन फिल्म 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' को हिंदी और तेलुगु में शूट किया गया है, जहां हिंदी ट्रेलर सलमान खान ने जारी किया. वहीं, फिल्म का तेलुगु ट्रेलर का अनावरण राम चरण ने किया। 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' में वरुण तेज और मानुषी छिल्लर एक वायु सेना पायलट और एक रडार अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं।'ऑपरेशन वैलेंटाइन' देश की वायु सेना के नायकों के अदम्य साहस और देश की रक्षा के लिए उनके सामने आने वाली चुनौतियों के इर्द-गिर्द घूमती है।'ऑपरेशन वैलेंटाइन' सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस, संदीप मुड्डा की रेनेसां पिक्चर्स द्वारा निर्मित और गॉड ब्लेस एंटरटेनमेंट (वकील खान) और नंदकुमार अब्बिनेनी द्वारा सह-निर्मित है। इसका निर्देशन शक्ति प्रताप हाड़ा ने किया है।

हम गौरवान्वित हो रहे हैं कि फिर राम युग आ रहा हैः धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन-पूजन किये और कहा कि आज हम गौरवान्वित हो रहे हैं कि फिर से राम युग शुरू हो रहा है। पुष्कर सिंह धामी मंत्रिमंडल के पांच सहयोगी- वरिष्ठ मंत्री सतपाल महाराज, रेखा आर्य, धन सिंह रावत, प्रेमचंद अग्रवाल और सुबोध उनियाल, के साथ यहां पहुंचे। इनके अलावा राज्यसभा सदस्य नरेश बंसल भी मौजूद रहे। भारतीय जनता पार्टी उप्र इकाई के मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अयोध्या में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी बेहद उत्साहित और भक्ति भाव में डूबे हुए नजर आए। दीक्षित ने बताया कि अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा में पहुंचने पर मुख्यमंत्री धामी और उनके सहयोगियों का भव्य स्वागत हुआ। इस दौरान पूरा परिसर जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा।

यहां से वह राम जन्मभूमि के लिए रवाना हुए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री एवं उनके सहयोगी श्री अयोध्या धाम में प्रभु राम को साष्टांग नमन कर पूजा अर्चना की। राम लला के लिए मुख्यमंत्री उपहार लेकर आए जिनको प्रभु के चरणों में समर्पित किया। प्रभु श्री राम लला के दर्शन के समय श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय जी, ट्रस्ट के सदस्य दिनेंद्र दास जी, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय मंत्री राजेंद्र पंकज साथ रहे।

धामी ने कहा, श्रीराम का उत्तराखंड से अटूट संबंध है। सरयू नदी का उद्गम स्थल जिसके तट पर श्रीराम के पिता एवं महाराज दशरथ ने संतान प्राप्ति के लिए अनुष्ठान किया था, वह बागेश्वर जिले में है। हमारा गहरा संबंध है और उत्तराखंड के लोग हमेशा यहां आएंगे। धामी ने कहा, लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र रहते हुए बहुत बार अयोध्या आया और तब भगवान रामलला को टेंट में देखकर उस समय मन भावुक हो जाता था, लेकिन आज हम गौरवान्वित हो रहे हैं कि फिर से राम युग शुरू हो रहा है।

टेलीविजन शो 'अनुपमा' के अभिनेता ऋतुराज सिंह का निधन

मुंबई/एजेन्सी

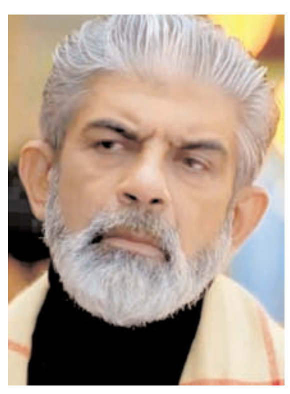

टेलीविजन शो 'अनुपमा' और 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' सहित कई फिल्मों में नजर आए प्रसिद्ध अभिनेता ऋतुराज सिंह का उनके घर पर मंगलवार तड़के दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। यह जानकारी उनके करीबी दोस्त ने साझा की है। वह 59 वर्ष के थे। पेट की शिकायत के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था और कुछ ही दिन पहले उन्हें छुट्टी दी गई थी। उनके करीबी दोस्त अमित बहल ने 'पीटीआई भाषा' को बताया कि देर रात 12:30 बजे के आसपास दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं। ऋतुराज सिंह टीवी सीरीयल के साथ-साथ ओटीटी शो में भी जाना पहचाना चेहरा थे। उन्होंने 'बनेगी अपनी बात', 'हिटलर दीदी', 'शपथ', 'अदालत', 'दीया और बाती हम' जैसे टीवी सीरियल में भूमिका निभाई थी। इसके अलावा वह हिंदी फिल्मों और ओटीटी शो जैसे 'बंदिश बैंडिटस', 'मेड इन हेवन' और 'इंडियन पुलिस फोर्स' में सहायक भूमिकाओं में नजर आए थे। बहल ने कहा कि उन्हें अभिनेता पल्लवी जोशी से सिंह के निधन के बारे में पता चला। हालांकि, अभी अंतिम संस्कार कब किया जाएगा, इसकी जानकारी नहीं है।

30 साल के बाद मैंने 'समय' कमाया है : मनीषा कोइराला

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस मनीषा कोइराला ने अपने फैंस की बातों का जवाब देते हुए बताया कि आखिर वह इन दिनों क्या कर रही हैं। तीन दशकों से अधिक लंबे करियर के बाद एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने अब अपने आप को टाइम दिया है। मनीषा ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई फोटोज शेयर की और लिखा, 'बहुत से लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं इन दिनों क्या कर रही हूं, लेकिन कभी-कभी ऐसा लगता है कि आप 53 साल की उम्र में पूछ रहे हैं कि आप ज्यादा कुछ नहीं कर सकते।' उन्होंने आगे कहा, मैं इस बात से भी खुश हूं कि मैं जीवन में अलग-अलग चीजों का स्वाद चख रही हूं, केवल वही चीजें कर रही हूं जो मुझे पसंद हैं। कभी-कभी कुछ नहीं करना, अपनी बिल्लियों और कुत्तों के साथ समय बिताने के अलावा मैं किताब पढ़ने, संगीत सुनने और आध्यात्मिकता को समय देती हूं। जिमिंग के साथ मैं वर्ल्ड टूर का भी आनंद लेती हूं।'

30 साल के करियर में 100 फिल्मों में काम करने के बाद अब उन्हें लगता है कि उन्होंने कुछ समय अपने लिए कमाया है। कैंसर से लड़ने वाली अभिनेत्री ने कहा कि भगवान की कृपा से अच्छे लोग उनके आसपास हैं। मनीषा ने कहा, मैं उनके प्यार और देखभाल में डूबी हुई हूं, मैंने अपने जीवन का अधिकांश समय एक व्यस्त शहर में अकेले गुजारा है। यह मत भूलिए कि एक सेलिब्रिटी होने के नाते कई उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ता है, अच्छे और बुरे लोगों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि आपके अकेले समय में भगवान अपना रास्ता बनाते हैं और मेरे पास मुट्ठी भर सच्चे दोस्त थे, मेरी यादें मेरे दिल का कालातीत खजाना हैं।'' मनीषा ने 1989 में नेपाली फिल्म 'फेरी भेटौला' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। 1991 में उन्होंने हिंदी फिल्म 'सौदागर' में अभिनय किया। उन्होंने '1942 : ए लव स्टोरी', 'बॉम्बे', 'इंडियन', 'गुप्त : द हिडन ट्रूथ', 'खामोशी : द म्यूजिकल', 'दिल से..', 'कच्चे धागे' और 'एक छोटी सी लव स्टोरी' सहित कई अन्य प्रशंसित फिल्मों में अभिनय किया है। वह अगली बार संजय लीला भंसाली की 'हीरा मंडी' में दिखाई देंगी, जो ब्रिटिश राज के खिलाफ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लाहौर के रेड-लाइट एरिया हीरा मंडी में तवायफों के जीवन की कहानियां बताती है।

तय मानसिकता के साथ फिल्म देखना सही तरीका नहीं : यामी गौतम

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस यामी गौतम धर का मानना है कि सिनेमा हॉल वह जगह है, जहां दिमाग को किसी भी बोझ या विचारधारा से पूरी तरह मुक्त होना चाहिए। आगामी फिल्म 'आर्टिकल 370' की रिलीज का इंतजार कर रही एक्ट्रेस ने कहा, 'कलाकारों और दर्शकों के लिए यह जरूरी है कि वे फिल्मों को साफ-सुथरी नजर से देखें और किसी भी पुरानी धारणा से प्रभावित न हों।' पिछले कुछ महीनों में दर्शकों की ओर से 'एनिमल' और 'डंकी' जैसी फिल्मों पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखी गई हैं। यह बात आगामी फिल्म 'आर्टिकल 370' के साथ भी है। फिल्म की कहानी एक ऐसे विषय को छूती है, जिसने देश को राय के मामले में विभाजित कर दिया है। यामी ने अपनी फिल्म की रिलीज से पहले आईएएनएस से बात की और सिनेमा में अपनी यात्रा और आधुनिक विमर्श में सोशल मीडिया की भूमिका के बारे में बताया। दर्शकों की प्रतिक्रियाओं के बारे में बात करते हुए यामी ने बताया कि उन्होंने अब तक रणबीर कपूर-स्टारर 'एनिमल' नहीं देखी है। उन्होंने कहा, ''यदि आप पूर्व धारणा के साथ किसी फिल्म में काम कर रहे हैं या फिल्म देख रहे हैं तो आप कभी भी फिल्म का आनंद नहीं ले पाएंगे। आपका निर्णय पहले से ही अस्पष्ट है तो आप इस पर निष्पक्ष राय नहीं दे पाएंगे।''

यामी ने आगे कहा, आपको क्या पसंद है, क्या पसंद नहीं है, यह आपकी व्यक्तिगत सोच है। आपको इस पर कायम भी रहना चहिए। लेकिन पहले से तय मानसिकता के साथ फिल्म देखना सही तरीका नहीं है। यामी ने आईएएनएस से कहा, जहां तक ध्रुवीकरण की बात है तो आज हर चीज पर लोगों की अलग-अलग राय है। सोशल मीडिया ने ऐसे में आग में घी डालने का काम किया है, क्योंकि यह बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचने का सबसे आसान तरीका है।' उन्होंने कहा, 'एक कलाकार के रूप में मेरा काम उत्कृष्टता का पीछा करना है, अच्छी भूमिकाएं निभाने के लिए सम्मोहक कहानियों को सामने लाना है और अच्छे सिनेमा का हिस्सा बनना है, यही वह इरादा है जिसके साथ मैं काम करती हूं।' अभिनेत्री ने अपनी आगामी फिल्म के बारे में भी बात की और कहा कि यह फिल्म भारत के संविधान के विवादास्पद 'अनुच्छेद 370' को निरस्त करने के पीछे की कहानी को बताती है1

यामी ने कहा, 'आर्टिकल 370' सिर्फ एक आर्मी ऑपरेशन के बारे में नहीं है, फिल्म बताती है कि कैसे 'आर्टिकल 370' को हटाने की ऐतिहासिक घटना को अंजाम दिया गया था। कन्नड़ फिल्म 'उल्लासा उत्साहा' से फिल्मों में अपना सफर शुरू करने वाली अभिनेत्री ने सिनेमा में लगभग डेढ़ दशक पूरा कर लिया है। यामी ने कहा, 'मैं वास्तव में अपनी सिनेमाई यात्रा पर पीछे मुड़कर नहीं देखती। मैं यह भी नहीं सोचती कि मैं इतने लंबे समय से काम कर रही हूं। मैं कम उम्र में इंडस्ट्री में शामिल हो गया थी, आज मैं जहां हूं, बहुत खुश हूं।

वेब सीरीज 'पूर्वांचल' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ और यूट्यूब क्वीन आम्रपाली दुबे की वेब सीरीज पूर्वांचल का ट्रेलर रिलीज हो गया है। पूर्वांचल वेब सीरीज का निर्माण यशी फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर से हुआ है। यह फिल्म 21 फरवरी को ओटीटी ऐप चौपाल पर रिलीज की जाएगी। इसे लेकर दिनेश लाल यादव निरहुआ ने कहा कि यह एक अभूतपूर्व वेब सीरीज है जिसकी कहानी सत्य घटनाओं से प्रेरित कहा जा सकता है। यह पूर्वांचल के लोगों की अपनी कहानी है। इसलिए हम पूर्वांचल की जनता से आग्रह करेंगे की विशेष कर अपनी इस कहानी को जरूर देखें और अपनी प्रतिक्रिया से अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि अभय सिन्हा की पहल पर इस वेब सीरीज का निर्माण हुआ है और हम इसकी सराहना भी करते हैं कि उन्होंने भोजपुरी में भी

एक शानदार शुरुआत की है, क्योंकि जिस दौर में दुनिया भर में सिनेमा आ चुकी है, उसे दौर में अब भोजपुरी काफी पदार्पण इस सीरीज के माध्यम से हो रहा है यह हम सबों के लिए गर्व की बात है। वहीं निर्माता अभय सिन्हा ने बताया कि इस वेब सीरीज की शूटिंग साल 2023 मुंबई में की गई है, जिसके निर्देशक धीरज पंडित हैं। पूर्वांचल भोजपुरी की पहली फुल प्लेज वेब सीरीज है, जिसका ट्रेलर दर्शकों के।सामने है। यह एक बेहद ही दमदार कहानी पर आधारित है और ये वेब सीरीज पूर्ण रूप से भोजपुरी भाषा में है। यूं तो पूर्वांचल पर कई सारी सीरीज बन चुकी हैं लेकिन उनकी ये कहानी बाकियों से काफी अलग है, इसका अंदाजा इसके ट्रेलर से आप लगा सकते हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के श्रीरामपुरम एलएन पुरम स्थित शांतिनाथ दादा मंदिर के शिखर पर 24वीं ध्वजा फहराई गई। मंदिर की स्थापना को 24वीं वर्षगांठ के मौके पर मुनि श्रीराजपद्मसागरजी और श्रमणपद्मसागरजी के पावन सान्निध्य में ध्वजारोहण के लाभार्थी महावीरचन्द जयचन्द खाबिया परिवार द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

उन महिलाओं की सेवा करना चाहती हूं, जो आत्मविश्वास से जुड़ी लड़ाई लड़ रही हैं : संस्कृति जायसवाल

संस्कृति उम्र को महज एक संख्या मानते हुए कहती हैं कि सपनों के लिए समाप्ति की कोई तारीख नहीं होती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अपनी टीम के साथ संस्कृति जायसवाल

बेंगलूरु। हौट मोंडे मिसेज इंडिया वर्ल्डवाइड 2024, सीजन 13 की फाइनलिस्ट संस्कृति जायसवाल अपनी कई खूबियों के कारण सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। जब उन्होंने मिसेज इंडिया पेजेंट के फाइनल में प्रवेश किया तो उनकी 'कहानी' ने सबको प्रेरित किया।

संस्कृति उम्र को महज एक संख्या मानते हुए कहती हैं कि सपनों के लिए समाप्ति की कोई तारीख नहीं होती है। वे जीवन में सहनशीलता और निडरता, दोनों को जरूरी मानती हैं। संस्कृति जायसवाल बहुमुखी प्रतिभा की धनी हैं।

वे पत्नी, उद्यमी, सशक्तीकरण की प्रवक्ता भी हैं। उन्होंने अपनी उद्यमिता की यात्रा खाद्य उद्योग से शुरू की, जहां कई चुनौतियों और बाधाओं का सामना किया। उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से पहचान बनाई और आज उनका उद्यम दिन में अनगिनत लोगों को सेवा प्रदान करता है।

संस्कृति के लिए सबसे बड़ी चुनौती तब पैदा हुई, जब उन्होंने महिलाओं की टीम बनाने की कोशिश की। उस दौरान सामाजिक व पारिवारिक कारणों से कई महिलाएं कार्यशाला में नहीं आईं। संस्कृति ने अपनी टीम को आत्मविश्वास दिया।

संस्कृति ने पाया कि कई महिलाओं को विवाह के बाद आय के स्रोत के अभाव में विभिन्न तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर न होने से परिवार में कई तरह की चुनौतियां पैदा हो जाती हैं। वित्तीय असुरक्षा महिलाओं के आत्म-सम्मान को प्रभावित करती है। संस्कृति उन्हें विश्वास और हौसला देती हैं। वे बताती हैं कि इस स्थिति से निकलने का एकमात्र तरीका उन्हें आत्मविश्वास और सहयोग देना है, ताकि वे खुद को बेहतर बना सकें।

वे कहती हैं, 'मैंने अपने जीवन में कई महिलाओं से प्रेरणा प्राप्त की है। समाज को महिलाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए। मैं उन महिलाओं के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में सेवा करना चाहती हूं, जो आत्मसंदेह और आत्मविश्वास से जुड़ी लड़ाई लड़ रही हैं।'

तीर्थंकरों की वाणी को अपने ज्ञान के अनुसार प्रस्तुत करते हैं संत : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाणावर। स्थानीय वर्धमान श्वेताम्बर संघ के तत्वावधान में पहुंचे आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि साधु साध्वी अपनी ओर से कुछ नया नहीं बोलते अपितु तीर्थंकर के बोले हुए विचारों को अपनी अभिव्यक्ति देता है। प्रस्तुतकर्ता तीर्थंकरों के इन पुरातन विचारों को अपनी नई शैली में ढाल कर समय के अनुसार श्रवणकर्ताओं को समझाता है। तात्पर्य यही है कि प्रवचनकर्ता नया कुछ नहीं बोलता और श्रोता नया कुछ नहीं सुनता फिर भी उन्हें नूतन प्रतीत होता है, इसके दो कारण है एक तो हमारी विस्मरणशीलता और दूसरा प्रवचनकर्ता की अपनी विशिष्ट शैली।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 100 लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजय संभव फाउंडेशन के तत्वावधान में भूमि आमशा अपार्टमेंट में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गवर। शिविर में आलोका विजन और कावेरी हॉस्पिटल के सहयोग से अपार्टमेन्ट के सफाईकर्मी, माली, सुरक्षा गार्ड और वहां के निवासियों का कुल 100 लोगों का नेत्र परीक्षण, रक्त परीक्षण, शुगर, बीएमआई और अन्य स्वास्थ्य जांच की गई। बाकी परीक्षण निशुल्क किया गया। शिविर में अपार्टमेन्ट व फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने सहयोग किया। फाऊंडेशन के अध्यक्ष डॉ रवि राजहंस ने सभी सहयोगियों को धन्यवाद दिया।

एलएनपुरम शांतिनाथ मंदिर पर धूमधाम से हुआ ध्वजारोहण

खाबिया परिवार ने शिखर पर फहराई ध्वजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्रीरामपुरम एलएन पुरम स्थित शांतिनाथ दादा मंदिर के शिखर पर 24वीं ध्वजा फहराई गई। मंदिर की स्थापना को 24वीं वर्षगांठ के मौके पर मुनि श्रीराजपद्मसागरजी और श्रमणपद्मसागरजी के पावन सान्निध्य में ध्वजारोहण के लाभार्थी महावीरचन्द जयचन्द खाबिया परिवार द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

इस ध्वजारोहण के मौके पर श्री राजपद्मसागरजी म.सा. ने कहा कि परमात्मा की ध्वजा का बहुत महत्त्व है। जो परमात्मा की भक्ति करता है उसके लिए ध्वजा देखना भी मंगलकारी है।

जिस परिवार को परमात्मा की ध्वजा को लहराने का जो सौभाग्य प्राप्त होता है, वह बहुत पुण्यशाली होते हैं और ध्वजा को देखने से हमारे जीवन में आए हुए कष्ट, विघ्न, अकाल मृत्यु जैसे अनेक प्रकार के जो दुख है वह सब दूर हो जाते हैं। शास्त्रों में भी उसकी विधि शास्त्र नीति, शास्त्र विधि और शास्त्र श्रद्धा के साथ में परमात्मा की ध्वजारोहण की जाए तो जीवन में आए हुए कष्ट भी दूर हो जाते हैं। इस मौके पर एलएन पुरम शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट एवं जैन संघ, शांति नवकार मंडल, विमल शांति महिला मंडल एवं बालिका मंडल के सदस्यों ने सहयोग दिया।

छोटे-छोटे नियम ग्रहण करके भी हम मोक्ष की ओर अग्रसर हो सकते हैं : साध्वी लावण्यश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशानुसार 'वीतरागत पथ कार्यशाला' के अंतर्गत पंचदिवसीय कार्यशाला के अन्तर्गत तीसरे दिन सोमवार को 'एक कदम मोक्ष की ओर-चरित्राचार' विषयक कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ भवन में साध्वीश्री लावण्याश्रीजी के सान्निध्य में हुआ। सर्वप्रथम साध्वीश्री दर्शितप्रभाजी ने क़हा कि श्रावक अगर जागरूक रहे तो अनावश्यक हिंसा से बच सकता है। छोटे-छोटे नियम ग्रहण करके भी हम मोक्ष की ओर अग्रसर हो सकते है। चारित्र के कई अर्थ हो सकते है जिसमें एक अर्थ संयम है। साध्वीश्री लावण्यश्रीजी ने चरित्राचार के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि भगवान महावीर ने उत्तराध्ययन में बताया है कि दर्शन संपन्नता से जीव सम्यक्तव को प्राप्त करता है। सम्यक्तवी जीव आरोहण करता है इसके विपरीत मिथ्यात्वी अवरोहण को प्राप्त होता है। दर्शन के अतिचारों को समझाया।

इस मौके पर राजपूत समाज के विक्रमसिंह ने साध्वीश्री के दर्शन किए। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष गौतमचंद मुथा, पूर्व अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, मंत्री महावीर ओस्तवाल, ललित बाबेल, विनोद मुथा, जिगर मारू, मीनाक्षी दक एवं लाडली मुथा ने विक्रमसिंह का सम्मान किया।

दपरे के अतिरिक्त महाप्रबंधक के रूप में केएस जैन ने पदभार ग्रहण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। मंगलवार को दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के अतिरिक्त महाप्रबंधक के रूप में के.एस. जैन ने पदभार ग्रहण किया है। के.एस. जैन ने रूड़की विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक किया है, उन्होंने 1987 में अपनी पढ़ाई पूरी की थी। वह भारतीय रेलवे मैकेनिकल इंजीनियरिंग सेवा (आईआरएसएमई) के 1988 बैच से हैं। 9 जनवरी, 1991 को अपने करियर की शुरुआत करते हुए, जैन ने उत्तर रेलवे में सहायक मंडल यांत्रिक इंजीनियर/ सीएंडडब्ल्यू/ फिरोजपुर के रूप में सेवा करते हुए अपनी यात्रा शुरू की। इन वर्षों में, उन्होंने उत्तर रेलवे, डीएमडब्ल्यू, एनईआर, आरडीएसओ और आईसीएफ में विभिन्न भूमिकाओं में अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन करते हुए मैकेनिकल विभाग में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनकी उल्लेखनीय भूमिकाओं में अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (तिरुवनंतपुरम मंडल) और मंडल रेल प्रबंधक (अलीपुरद्वार मंडल) के रूप में कार्य करना शामिल है। उनका समर्पण और विशिष्ट दृष्टिकोण तब स्पष्ट हुआ जब वे सीडब्ल्यूई के रूप में दक्षिण मध्य रेलवे में शामिल हुए, जिसके बाद 1 जून, 2023 को उन्हें पीसीएमई के रूप में नियुक्त किया गया।

अपने विशाल कार्यकाल के दौरान, उन्होंने भारत और विदेशों में भी कई प्रशिक्षणों में भाग लिया है। यानी, 2005 के दौरान जर्मनी और स्विट्जरलैंड में एलएचबी प्रशिक्षण, चीन में दो बार आरडीएसओ निरीक्षण, सिंगापुर और मलेशिया में एमडीपी प्रशिक्षण और इटली के मिलान में डीआरएम प्रशिक्षण लिया। दक्षिण पश्चिम रेलवे में अतिरिक्त महाप्रबंधक की जिम्मेदारी संभालने से पहले, जैन ने दक्षिण मध्य रेलवे में प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर का प्रतिष्ठित पद संभाला। अपने पूरे करियर में उन्होंने जहां भी काम किया वहां लगातार अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

सुसवाणी महिला मंडल की मासिक बैठक व कीर्तन कार्यक्रम सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के माँ सुसवाणी महिला मंडल की बैठक शंकरप्पा गार्डन में गुणवंती सुराणा के निवास पर आयोजित हुई। बैठक में गत मास की गतिविधियों पर चर्चा हुई। बैठक में भजन कीर्तन का आयोजन किया गया।

इस मौके पर मंडल की संस्थापिका अध्यक्ष संगीता सुराना ने तमिलनाडु विल्लीपुरम विराजित मां सुसवाणी मंदिर दर्शन यात्रा का प्रस्ताव पर सहमति बनी। संरक्षिका दुर्गा सुराना ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर मंडल की अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं। महासचिव हेमलता सुराना ने सभी को धन्यवाद दिया।

महादेवपुरा विधायक लिम्बावली ने श्रद्धालुओं को कराए रामलला के दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उडुपी के पेजावर मठ के स्वामी विश्वप्रसन्न तीर्थस्वामीजी के नेतृत्व में महादेवपुरा विधानसभा की विधायक मंजुला लिम्बावली एवं पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री अरविंद लिम्बावली ने दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठित भगवान राम के मंदिर पहुंच दर्शन लाभ लिया। मंदिर में स्वामीविश्वप्रसन्नजी तीर्थ के नेतृत्व में आयोजित मंडलोत्सव कार्यक्रम में सभी ने भाग लिया।

बेंगलूरु में मंगलवार को राजभवन में स्वीडिश विदेश मंत्री टोबियास बिलस्ट्रॉम और उनके प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से मुलाकात की।

जीतो साउथ महिला विंग ने आयोजित की 'हीलिंग विद रैकी' कार्यशाला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) महिला विंग साउथ द्वारा 'हीलिंग विद रैकी' कार्यक्रम का आयोजन जीतो कार्यालय में किया गया। अध्यक्षा सुनीता गांधी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि रेकी एक ऐसी थेरेपी है जो हमें हर तरह से स्वस्थ रख सकता है और तब हमारा शरीर स्वस्थ होता है। संयोजक नीलम ललवानी ने मुख्य वक्ता रेकी के ग्रैंड मास्टर गुरू डॉ एनके शर्मा व गुरू माँ डॉ सविता शर्मा का परिचय दिया। महासचिव मोनिका पिरगल ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि हर इंसान शारीरिक रोग, पारिवारिक परेशानियों अथवा किसी न किसी मानसिक परेशानी से ग्रस्त है और इन सभी का इलाज रैकी से किया जा सकता है। डॉ शर्मा ने कहा कि सभी में असीम शक्तियाँ मौजूद हैं,जिसे जानना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि रैकी एक मॉल की तरह है जिसमें बहुत सा सामान रखा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह मन्दिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाती है इसी प्रकार रैकी द्वारा हमारे शरीर में प्राण ऊर्जा को जागृत किया जाता है। रैकी जोडने का काम करती है। गुरु माँ सविता शर्मा ने रेकी के प्रयोग करवाए। उन्होंने बताया कि जब मन से व श्रद्धा से रैकी की जाए तो बडे. से बडे. रोग से मुक्ति पाई जा सकती है। इसी के साथ प्राकृतिक भोजन करने पर ज़ोर दिया गया। इन्दरचंद जैन ने अपने साथ हुए ब्रेन हेमब्रेज को रेकी से ठीक करने के अनुभव साझा किए। केकेजी ज़ोन की अँजली ने भी अपना अनुभव साझा किया। सह संयोजिका नीतू जैन ने सभी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर महिला विंग की उपाध्यक्ष प्रभा गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष भारती तलेसरा, कार्यकारिणी सदस्य लता बोहरा, दीपमाला, सविता पोरवाल, पुष्पा गुलेच्छा, अस्मिता चौहान आदि उपस्थित थे।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com